



Kriti Sanon Makes Stylish Entry...

SHARE

सेंसेक्स : 84,544.31
निफ्टी : 25,790.95

SARAFI

सोना : 7,055
चांदी : 98.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

रामचंद्र राव होंगे झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस

RANCHI : हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस नियुक्त किए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में हुई कॉलेजियम की बैठक में यह निर्णय लिया गया था। इस पर राष्ट्रपति की ओर से मुहर लगा दी गई है। जस्टिस एमएस राव की नियुक्ति का नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है।

राहुल गांधी के खिलाफ कर्नाटक में एफआईआर

BENGALURU : राहुल गांधी के अमेरिका में दिए बयान को लेकर शनिवार को भाजपा ने कर्नाटक में एफआईआर करवाई है। यह शिकायत बंगलूरु के हाई ग्राउंड पुलिस स्टेशन में की गई है। भाजपा का कहना है कि कांग्रेस नेता एसटी-एससी, ओबीसी और सिख समुदाय को निशाना बनाकर बाने वाली पॉलिटेक्स कर रहे हैं। ऐसे में उनकी विभाजनकारी नीति की जांच होनी चाहिए। इससे पहले राहुल के खिलाफ यूपी और छत्तीसगढ़ में भी एफआईआर दर्ज हो चुकी हैं।

मुंबई की धारावी बस्ती में बीएमसी की टीम पर हमला

MUMBAI : बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के अधिकारियों की एक टीम शनिवार सुबह धारावी पहुंची। यहां महबूब-ए-सुभानी मस्जिद के अवैध हिस्से को गिराया जाना था। टीम सुबह 9 बजे धारावी की 90 फीट रोड पर पहुंची। खबर लगते ही मुस्लिम समाज समेत बस्ती के लोग इकट्ठा हो गए और टीम को रोक दिया। बाद में प्रदर्शनकारियों ने बीएमसी की दो गाड़ियों में तोड़-फोड़ कर दी। हालात संभालने के लिए बड़ी तादाद में पुलिस को तैनात किया गया है। प्रदर्शनकारियों को एक दफ्त पुलिस और बीएमसी से चर्चा करने गया।

होमगार्ड में फर्जी तरीके से नौकरी करने का मामला कंपनी कमांडर समेत 5 के खिलाफ एफआईआर

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड होमगार्ड विभाग में फर्जी तरीके से नौकरी करने के मामले में कंपनी कमांडर समेत पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है। यह मामला गृह रक्षा वाहिनी एवं अतिरक्षण विभाग के डीजी अनिल शालटा के निर्देश पर धुवां थाना में शनिवार को दर्ज हुआ है। जिन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है, उसमें कंपनी कमांडर कैलाश यादव के अलावा फर्जी तरीके से होमगार्ड की नौकरी कर रहे अरिफ

भद्रकाली मंदिर में दर्शन-पूजन के बाद शुरू की परिवर्तन यात्रा भ्रष्टाचार में लिप्त रहे हैं झारखंड के सीएम हेमंत : राजनाथ सिंह

PHOTON NEWS CHATRA :

शनिवार को केंद्रीय रक्षा मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह एक दिवसीय दौरे पर झारखंड के चतरा पहुंचे। उनके साथ केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी मौजूद रहे। माता भद्रकाली मंदिर में दर्शन-पूजन के बाद उन्होंने हेमंत सरकार के खिलाफ परिवर्तन यात्रा शुरू की। इसके बाद राजनाथ सिंह ने इटखोरी हाई स्कूल मैदान में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भ्रष्टाचार में लिप्त रहे हैं। भारत किसी भी दार्जी व्यक्ति को कभी स्वीकार नहीं करेगा। झारखंड में हेमंत सोरेन को सत्ता से हटाने और बीजेपी को सत्ता में लाने का वक्त आ गया है। राजनाथ सिंह ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि झारखंड के विकास की राह में तीन रोड़े हैं- जेएमएम, कांग्रेस और आरजेडी। बीजेपी झारखंड में आदिवासी महिलाओं से शादी कर रहे घुसपैठियों को बर्दाश्त नहीं करेगी।

● चतरा के इटखोरी हाई स्कूल मैदान में जनसभा को रक्षा मंत्री ने किया संबोधित

● आदिवासी महिलाओं से शादी कर रहे घुसपैठियों को बर्दाश्त नहीं करेगी बीजेपी

● झारखंड के विकास की राह में तीन रोड़े हैं- जेएमएम, कांग्रेस और आरजेडी

● परिवारवादी हेमंत सरकार को सत्ता से हटाने का आ गया है वक्त



लोकतंत्र से किया गया खिलवाड़, राहुल ने सिखों को उकसाया

इटखोरी के हाई स्कूल मैदान में हजारोंबाग प्रमंडल के भाजपा के परिवर्तन रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के बाद राजनाथ सिंह ने परिवर्तन सभा को संबोधित किया। परिवर्तन सभा में उन्होंने राहुल गांधी से लेकर हेमंत सोरेन तक पर हमला बोला। रक्षा मंत्री ने कहा कि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भारत की स्वस्थ लोकतांत्रिक प्रथाओं

के साथ खिलवाड़ किया है। वह भ्रष्टाचार में लिप्त रहे हैं। इस बार के विधानसभा चुनाव में झारखंड की जनता उन्हें सत्ता से उखाड़ फेंकेगी। झारखंड में इस बार भाजपा की सरकार बनेगी। हमारी सरकार बनते ही विकास के काम शुरू होंगे और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी होगी। राजनाथ सिंह ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल

गांधी पर भी हमला बोला। कहा कि राहुल गांधी ने विदेश में भारत की छवि धूमिल करने की कोशिश की। उन्होंने सिखों को उकसाया है। केंद्रीय मंत्री ने दावा करते हुए कहा कि झारखंड में इस बार बीजेपी की सरकार बनेगी। बीजेपी की सरकार बनते ही यहाँ विकास के काम शुरू होंगे और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी।

भारत ने 4 विकेट पर 287 रन के स्कोर पर की पारी समाप्ति चेन्नई टेस्ट में जीत के करीब पहुंची टीम इंडिया, दूसरी पारी में बांग्लादेश 158/4

AGENCY CHENNAI :

टीम इंडिया चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में जीत के करीब है। टीम जीत से 6 विकेट दूर है। बांग्लादेश की टीम ने शनिवार को मैच के तीसरे दिन स्टैम्स तक अपनी दूसरी पारी में 4 विकेट खोकर 158 रन बनाए हैं। टीम अभी 515 रन के टारगेट से 357 रन पीछे है। कप्तान नजमुल हसन शांते 51 और शाकिब अल हसन 5 रन बनाकर नॉटआउट हैं। भारत के लिए रविचंद्रन अश्विन

● अश्विन को 3 विकेट, गिल और पंत के शतक
● तीसरे दिन खराब रोशनी की वजह से 10 ओवर का कम हो गया खेल

ने तीन विकेट लिए हैं। जसप्रीत बुमराह को 1 विकेट मिला है। तीसरे दिन खराब रोशनी की वजह से 10

ओवर का खेल कम हुआ। बांग्लादेश की पारी के दौरान पहले खेल काफी देर तक रुका रहा, फिर

स्टैम्स कर दिया गया। इससे पहले, भारत ने दूसरी पारी 4 विकेट पर 287 रन के स्कोर पर घोषित कर दी।

तैयारियों का लेगी जायजा, तिथि घोषित होते ही लागू हो जाएगी आचार संहिता कल झारखंड आएगी चुनाव आयोग की टीम

PHOTON NEWS RANCHI :

आगामी विधानसभा चुनाव की तिथि घोषित होते ही आचार संहिता लागू हो जाएगी। अब चुनाव की सुगन्धाहट शुरू हो गई है। चुनाव आयोग की ओर से भी इसकी तैयारी प्रारंभ हो गई है। चुनाव की तैयारियों का जायजा लेने 23 सितंबर को भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) की टीम रांची आएगी। दो दिनों तक चलने वाले इस दौरे में मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार समेत तीनों चुनाव आयुक्त शामिल होंगे। गौरतलब है कि मुख्य निर्वाचन

दो दिनों के दौरान में सीईसी राजीव कुमार समेत अन्य ईसी होंगे शामिल



पदाधिकारी झारखंड और आईजी अभिवान ने संयुक्त रूप से जिले के एसपी और डीसी के साथ निर्वाचन आयोग के आने से

लंबे समय से पदस्थापित पुलिसकर्मियों का हो चुका ट्रांसफर झारखंड में विधानसभा चुनाव को लेकर एक ही जिले में तीन साल से पदस्थापित पुलिस कर्मियों का तबादला किया जा चुका है। राज्य पुलिस स्थापना परिषद की बैठक में लिये गये निर्णय के बाद वीते 18 अगस्त को एक ही जिले की इकाई में तीन वर्ष या उसके अधिक समय अवधि तक

पदस्थापित पुलिस निरीक्षक और परिचरों प्रभारी की ट्रांसफर-पोस्टिंग हुई थी। इसके अलावा एक ही जिले में तीन साल अधिक समय से पदस्थापित एसपी का भी तबादला किया जा चुका है। पदाधिकारियों का यह तबादला भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर हुआ था।

बलों के रहने व मूलभूत सुविधा की तैयारी और लोकसभा आम चुनाव 2024 के दौरान दायर वादों की स्थिति की समीक्षा की गई थी।

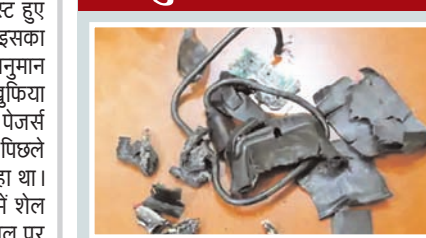
फेक कंपनी बनाई, पेजर में 50 ग्राम विस्फोटक रखा, रिमोट से किया धमाका

इजरायल में 15 साल तक हुई पेजर ब्लास्ट की प्लानिंग

AGENCY NEW DELHI :

17 सितंबर को लेबनान में पेजर में ब्लास्ट हुए थे। हिजबुल्लाह ने इजरायल को इसका जिम्मेदार ठहराया था। अब ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि अमेरिका के खुफिया सूत्रों ने भी एजेंसी को बताया है कि इन पेजर्स को बनाने में इजरायल का हाथ था। वह पिछले 15 सालों से इसकी प्लानिंग कर रहा था। एजेंसी के मुताबिक, हमले की प्लानिंग में शेल कंपनियां शामिल थीं। अलग-अलग लेवल पर इजरायल के इंटेलिजेंस अफसर प्लान को आगे बढ़ा रहे थे। खुफिया अधिकारियों ने एक ऐसी कंपनी बनाई थी, जो रिमोट के मुताबिक लंबे समय से पेजर मैनुफैक्चरिंग कर रही थी। कंपनी में कुछ लोग ऐसे भी थे, जिन्हें इस साजिश के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। सूत्रों ने बताया कि पेजर्स में 25-50 ग्राम तक विस्फोटक लगाए गए थे। इसे ट्रिगर करने के लिए एक रिमोट से भी जोड़ा गया था।

हिजबुल्लाह ने 5 माह पहले खरीदे थे पेजर व वॉकी-टॉकी, दोनों में हुआ धमाका

● अमेरिका के खुफिया सूत्रों से मिल रही गुप्त जानकारी
● हमले की प्लानिंग में शामिल थीं शेल कंपनियां
● अलग-अलग लेवल पर इजरायल के इंटेलिजेंस अफसर प्लान को बढ़ा रहे थे आगे

पांच हजार हिजबुल्लाह सदस्यों को मारने की थी योजना, हंगरी ने पेजर्स बनाने से किया इनकार

जिन पेजर्स में ब्लास्ट हुआ, हिजबुल्लाह ने उन्हें करीब 5 माहों पहले खरीदा था। उसी समय पर बातचीत के लिए दूसरे कम्युनिकेशन डिवाइस वॉकी-टॉकी को भी खरीदा गया था, जिसमें 18 सितंबर को ब्लास्ट हुआ था। 19 सितंबर को अपने मापन में हिजबुल्लाह चीफ हरुन नसरल्लाह ने कहा था कि संकटन के टॉप लीडर्स के पास पुराने पेजर्स मौजूद थे। उनके पास वो नए डिवाइस नहीं थे, जिनके जरिए हमला किया

गया। नसरल्लाह ने कहा था कि इजरायल के जरिए 5 हजार हिजबुल्लाह सदस्यों को मारना चाहता था। उन्हें पहले से पता था कि हिजबुल्लाह इन डिवाइस का इस्तेमाल करता है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए लंबे समय से इस तरह के ऑपरेशन को टाल रही है, क्योंकि इसमें बड़े पैमाने पर आम नागरिकों की जान को खतरा हो सकता है। प्रारंभिक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि लेबनान में

विस्फोट होने वाले पेजर्स को हंगरी की कंपनी बीएसटी कंसेल्टिंग ने तैयार किया था। कंपनी गैर-आपत से हुए कॉन्टैक्ट के तहत बनाया था। हालांकि, हंगरी सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि पेजर्स को बनाने वाली कंपनी की देश में कोई फेक्ट्री नहीं है, न ही इन पेजर्स को हंगरी में बनाया गया था। बता दें कि 17 सितंबर को इन पेजर्स पर एक नरसैज आया, जिसने विस्फोटक को एक्टिवेट कर दिया। हमले में 12 लोगों की मौत हुई थी।

झारखंड की सीमा सील करने पर राज्यपाल ने सरकार से मांगी सफाई

KOLKATA : पश्चिम बंगाल सरकार की तरफ से बंगाल-झारखंड सीमा को सील किए जाने पर राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से सफाई मांगी है। राजभवन सूत्रों के अनुसार संविधान के अनुच्छेद 167 के तहत, राज्यपाल बोस ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से सीमा सील करने की वजह स्पष्ट करने को कहा है। उल्लेखनीय है कि ममता ने गत गुरुवार को बंगाल में बाढ़ की स्थिति के लिए दामोदर वैली कॉरपोरेशन (डीवीसी) को जिम्मेदार ठहराते हुए झारखंड-बंगाल सीमा बंद करने का आदेश दिया था। इसके चलते झारखंड-बंगाल सीमा पर कई मालवाहक ट्रक फंसे गये। इसी बीच, बंगाल के विभिन्न जिलों में बाढ़ की स्थिति पर राज्यपाल बोस ने शनिवार को कहा, बाढ़ एक ऐसा मुद्दा है, जिसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। बाढ़ से पहले और बाद में कुछ कदम उठाने आवश्यक हैं।

झारखंड में कड़ी निगरानी के बीच 823 केंद्रों पर हुई JSSC CGL की परीक्षा



PHOTON NEWS RANCHI :

शनिवार को झारखंड में कड़ी निगरानी के बीच 823 केंद्रों पर झारखंड सामान्य स्नातक स्तरीय संयुक्त प्रतियोगिता (जेएसएससी सीजीएल) की परीक्षा हुई। सीजीएल परीक्षा को लेकर सभी परीक्षा केंद्रों में बड़ी संख्या में जवानों की तैनाती की गई थी। दंडाधिकारी भी तैनात थे। इधर, अर्धरात्री सुबह 5:30 से ही केंद्रों पर पहुंचना शुरू हो गए थे। कड़ी सुरक्षा और जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद अभ्यर्थियों को केंद्र के अंदर दाखिल कराया गया। बता दें कि 21 और 22 सितंबर को आयोजित होने वाली जेएसएससी सीजीएल परीक्षा तीन पार्टियों में हो रही है। पहली पाली की परीक्षा सुबह साढ़े आठ से साढ़े दस बजे और दूसरी पाली की परीक्षा 11:30 से 1:30 और तीसरी पाली की परीक्षा तीन बजे से शाम पांच बजे तक हो रही। इसके पहले 28 जनवरी को परीक्षा का आयोजन भी किया गया था। लेकिन, प्रश्नपत्र लीक होने के कारण इस परीक्षा को रद्द कर दिया गया था।

एग्जाम के दौरान आज भी बंद रहेगा इंटरनेट

रविवार को भी झारखंड में झारखंड स्नातक स्तरीय संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा (जेजीजीएलसीसीई) के मद्देनजर सुबह आठ बजे से इंटरनेट सेवा निलंबित रहेगी। सरकार ने शुक्रवार को को कहा था कि इस परीक्षा के मद्देनजर शनिवार और रविवार को सुबह आठ बजे से दोपहर डेढ़ बजे तक इंटरनेट सेवा निलंबित करने का फैसला किया गया है। इसके बाद गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल ने इंटरनेट सेवा निलंबित करने के आदेश जारी किए। गृह विभाग के आदेश में बताया गया है कि मोबाइल फोन, इंटरनेट मीडिया, व्हाट्सएप, एएस, टेलीग्राम व यू-ट्यूब आदि के माध्यम से पेपर लीक आदि की शिकायतें पहले मिलती रही हैं। इसलिए इंटरनेट सेवा निलंबित करने का फैसला किया गया। बताया गया है कि राज्य सरकार इन सभी माध्यमों के लिए कोई मोका नहीं छोड़ना चाहती। इसी उद्देश्य से इंटरनेट व मोबाइल डेटा, वाई-फाई आदि की परीक्षा अवधि के दौरान बंद करने का निर्णय किया गया है।

इंटरनेट बंद करने का मामला पहुंचा हाईकोर्ट



शनिवार को जेएसएससी सीजीएल परीक्षा के कारण इंटरनेट सेवा बंद किए जाने के खिलाफ हाईकोर्ट में जनहित दायर पीआईएल पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस आनंद सेन और जस्टिस अनुभा रावत चौधरी की बेंच में सुनवाई हुई। खडपीट ने राज्य सरकार से पूछा कि इंटरनेट बंद करने के लिए क्या प्रावधान हैं। वया सभी परीक्षाओं में

इसी तरह इंटरनेट बंद कर दिया जाएगा। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को चार सप्ताह में एफिडेविट के माध्यम से जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। प्राथी अधिवक्ता राजेंद्र कृष्ण ने शनिवार को ही हाईकोर्ट में जनहित दायर पीआईएल की थी। इसे शनिवार को ही अवकाश के बावजूद अधिसूचित किया गया और खडपीट ने मामले की सुनवाई की।

लातेहार में पहली पाली की परीक्षा में दिया गया दूसरी पाली का प्रश्नपत्र

LATEHAR : जिले के कुल 18 परीक्षा केंद्रों पर जेएसएससी-सीजीएल की परीक्षा हुई। इनमें एक परीक्षा केंद्र राजकीय पॉलिटेक्निक संस्थान (स्थल कोड 606) पर परीक्षाओं को केंद्राधीक्षक और वीक्षण कार्य कर रहे शिक्षकों ने प्रथम पाली की परीक्षा में द्वितीय पाली का प्रश्नपत्र वितरित कर दिया। इस कारण परीक्षा र्थियों के समक्ष अजीबोगरीब स्थिति उत्पन्न हो गयी। ओएमआर शीट भरने के बाद उन्हें इंटरन लगाकर परीक्षा देने का निर्देश दिया गया। परीक्षा र्थियों ने कहा कि इस परीक्षा में इंटरन का प्रयोग या ओवर राइटिंग वर्जित है। उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया है। इसकी जांच होनी चाहिए।

परीक्षा र्थियों ने प्रश्नपत्र मिलने के बाद ओएमआर शीट भरना शुरू कर दिया। कुछ देर बाद केंद्राधीक्षक और वीक्षण को पता चला कि सभी परीक्षा र्थियों को पहली पाली की जगह दूसरी पाली का प्रश्नपत्र दे दिया गया है। आनन-फानन में केंद्राधीक्षक और वीक्षण ने सभी परीक्षा र्थियों को इंटरन का इस्तेमाल करने को कहा। इस पर परीक्षा र्थियों ने कहा कि जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा में इंटरन का प्रयोग या ओएमआर शीट में किसी प्रकार की छेड़छाड़ उचित नहीं है। इससे तो वे डिसवैलिड हो जायेंगे। इस पर सभी परीक्षा र्थियों को केंद्राधीक्षक और वीक्षण ने कहा कि ऐसा करने के लिए आदेश मिला है।

ओथ लेने से पहले केजरीवाल से मिली तीसरी महिला मुख्यमंत्री के रूप में आतिशी ने ली शपथ

AGENCY NEW DELHI :

शनिवार को आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता आतिशी ने राज निवास में एक समारोह में दिल्ली की तीसरी महिला मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। उनके साथ कुछ विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली। आतिशी देश की 17वां महिला मुख्यमंत्री भी बन गई हैं। नई मंत्रिपरिषद में गोपाल राय, कैलाश गहलोत, सौरभ भारद्वाज, इमरान हुसैन और सुल्तानपुर माजरा से विधायक मुकेश अहलावाल शामिल हो गए हैं। सभी ने आतिशी के साथ मंत्री पद की शपथ ली। राय, गहलोत, भारद्वाज और हुसैन अरविंद



केजरीवाल के नेतृत्व वाली निवर्तमान सरकार में भी मंत्री रहे हैं। दिल्ली की नई मुख्यमंत्री आतिशी ने शपथ लेने से पहले पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल से मिलने पहुंची। उनसे मिलने के बाद मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। आतिशी के अलावा कैबिनेट मंत्रियों ने भी शपथ से पहले केजरीवाल से मुलाकात की।



पटना के छपरी



ये वो दौर था जब पटना की काली स्याह सी चिकनी सड़कों पर छपरियों का राज चलता था। छपरी, जैसा कि नाम से प्रतीत हो सकता है, छपरा के नहीं थे। ये अल्ट्रा, बेपरवाह युवाओं का एक खतरनाक समूह था जो अपनी अतरंगी वेशभूषा, अजीबो-गरीब केश-विन्यास, नुकीले जूते एवं बिजली की रफ्तार सा बाइक चलाने के लिए कुख्यात थे। इस वर्ग-विशेष का एक अपना कल्ट था, जिसमें दाखिले के लिए एक आवश्यक शर्त थी -आपको मरने और मारने के लिए हमेशा तैयार रहना था -कालिलाना रफ्तार, बेबाक बेशर्म जुवान और हां, बॉलीवुड निचिनियों से पहले जुबां केसरी को जीने वाली जम्मात, मुंह में गुटखा दबाये पटना की सड़कों को जैक्सन पोलार्क सरीखी पेंटिंग से सजाने वाले, ऐसे होते थे ये छपरी। समय बदल रहा था, कोरोना की पाबन्दी से हालिया आजाद हुआ युवा जीवन का सत्य सस्ता नशा और बाइक के तेज रफ्तार में दूँड रहा था। ये छपरी ट्रैफिक रूल्ज जैसे मध्यकालीन नियम-कानून से कर्तई आगे थे। इन्हें बस रफ्तार से गाड़ी चलाना होता था, फिर रोड पर जगह हो या न हो। सड़क पर लहरिया कट मारते, कार को तेज रफ्तार से सनसनाती आवाज के साथ कोई छपरी ही ओवरटेक कर सकता था। शांति पसंद औसत पटना वासियों में इनका अलग खोप था। जैसा कि एक प्रसिद्ध संपादक ने कहा था -

जैसा कि स्थानीय एमिटी विश्वविद्यालय के साहित्य के एक प्राध्यापक ने कहा था - सड़क पर सुपर और छपरियों से बचकर चला जाये। न जाने किस मोड़ पर छपरी तोहे मिल जाये। पटना पुलिस ने छपरियों से सावधान रहने के लिए विशेष बुलेटिन जारी किया था, जिसमें आम जनता को इस संकट (मनेस) से बचाव के कुछ उपाय सुझाये गए थे -

पहचान

- ये दुबले-पतले होते हैं और इनका औसत वजन 45 किग्रा के आसपास होता है
- ये बिना हेलमेट के सड़कों पर बाइक चलाते पाए जा सकते हैं
- ये अकेले नहीं, समूह में पाए जाते हैं
- इनके गाल धंसे हुए, सिकोठ, चूसे हुए आम की तरह होते हैं
- इनके बाल गुरुत्वाकर्षण की धृता बताते हुए नुकीले और खड़े होते हैं
- इनके बाल रंगीन होते हैं (रंगों का बाहुल्य और तीखापन छपरिपन के समाप्तापुती होता है)

बचाव

- बस दूर से ही करके सलाम अपने रुट्स समय से बदल लें
 - संध्याकाल में सड़क से दूरी बनाकर रहें
 - अपने बावों को छपरी ढानने से रोके
- जैसा कि उर्दू के एक बरोजगार कवि ने लिखा था -**
- दिलों में तुम जो मरने की खाहिशें लेकर बाइक चला रहे हो तो छपरी हो तुम। हाथों में मोबाइल लेकर तेज रफ्तार बाइक से जो सेल्फी ले रहे हो तो छपरी हो तुम। हर गली - नुकड़ पे मामू (पुलिस) को दूँडे तेरी कातर सिगाहें, पलती बाइक पे दुपट्टे सा लहराये तेरी पलती बाहें जो खाबों में फास्ट एन फुरियस सरीखी हेवागियत पाल रहे हो तो छपरी हो तुम। दिलों में तुम जो...

समाज शास्त्र के एक प्राध्यापक ने इस समस्या पर प्रकाश डालते हुए कहा कि छपरी का गरीबी से कुछ लेना-देना नहीं है। यह एक दूरगामी व्यापक संकट है जो कि स्टेट से शुरू होकर वेन स्नीचिंग और लुटपाट पर जाकर खत्म होता है। प्रतियोगिता परीक्षा का गढ़ माने जाने वाले पटना को छपरी-रूपी विषाणु अंदर से खोखला करता जा रहा था और भीतर से बड़ा शांत सा पटना अपराधियों का केंद्र बनाता जा रहा था। और किसी भी बड़े अपराधी की शुरुआत छुभेछपरी से ही होती है।

त्याग्य ■ बर्बरिक

कौ मों की तारीख में ऐसे पल कभी कभार ही आते हैं, मगर इंसान उस पल को रोक लेना चाहता है, जिस पल को मिस्टर एक्स ने 'लम्हों ने खता की, सदियों ने सजा पायी' कहते हैं। उसी मरहले को उनकी शरीके हयात मैडम वाई 'हिस्टोरिक मोमेंट' कहते नहीं अघाती थीं, जब उन्होंने खुद को रीडिस्कवर कर दिया था। जब सास-बहू के सीरियल से उकताई, नौकरी से निकाली जा चुकी मोहल्ले में 'मैडम ऐडी' पुकारी जाती थीं, वह। क्योंकि वह हवा-बयार से भी झगड़ा करती थीं, तब उनके पति ने उनके कोप से बचने के लिए उनको एंड्रॉयड फोन और लघुकथा के लोगों से मिला दिया था। उसी गली में एक चौधराइन नाम की महिला थी, जो सुबह-शाम सब्जी बेचा करती थीं और दोपहर की लेडीज स्मेशल ट्रेन में लघुकथा। वैसे भी मुम्बई में लघु शब्द सभी को बहुत प्रिय है, घाई में बात खल्लास। तो सात साल, हजारों रुपये, बीसियों यात्राएं और पचासों सम्मेलन को फाईनेंस करने के बाद मैडम के भी दिन पलटते।

है कही कहावत जाती यही इक दिन, दिन बदले घूरे के काँटा तो बहुत है होता मगर फुले है पेड़ बबूरे (बबूल) तक।

सो लघुकथा के एक बड़े कर्णधार की नजर उन पर पड़ी, जो उत्तर भारत के एक बॉर्डर एरिया के बहराइच जिले में अपनी सुपारी की तस्करी की रकम ऐसे ही साहित्यिक आयोजनों से च्हाइस्ट मनी बना रहे थे। तो उन्होंने ढाई हजार का एक पुरस्कार मैडम वाई के नाम घोषित कर दिया। वो सज्जन खासे दूरदर्शी भी थे। कभी मुम्बई जाना हुआ और दो चार दिन रुकना हुआ तो दस पन्द्रह हजार तो लग ही जायेंगे, लेकिन अगर ये ढाई हजार का पुरस्कार काम कर गया तो मुम्बई के खर्च मैडम वाई के आवास पर रुककर वसूल हो जायेंगे। तीर निशाने पर लगा। मैडम ने अपने मियां को बहराइच आने-जाने का खर्च पच्चीस हजार रुपये बताया। मियां जी के पसोने छूट गए। वो बेचारे वीआरएस के करीब खड़े थे, सामने आसन बुढ़ापा, मगर इधर मैडम का नवयुवतियों जैसा उल्लास। मैडम ढाई बार ब्यूटी पार्लर भी हो आईं, दो बार फुल सर्विस एक बार हाफ सर्विस ताकि पुरस्कार वाले दिन उनके चेहरे पर एक नूर

ढाई की घाई



रहे। मैडम ने पुरस्कार के लिए ढाई हजार का लेटर बैग लिया। फिर गांधी आश्रम से ढाई-ढाई हजार की दो खादी की धोतियां लाई एक पुरस्कार के लिए, दूसरा बैकअप के लिए, कहीं सफर में कोई दिक्कत आए और कपड़े मैले हो गए तो ? मैडम पूरे परिवार के साथ बहराइच पधारीं और ढेर सारी सेल्फी लेकर ले उड़ीं, लगे हाथ उन्होंने श्रावस्ती भी घूम लिया। उनके पति ने पच्चीस हजार रूपयों का दुख तो सह लिया। उनको लेकर श्रावस्ती गए और कहा कि विपश्यना कोर्स कर लो, सिर्फ ग्यारह दिन चुप रहना है। मैं तुम्हें यहीं छोड़ जाता हूँ, ग्यारह दिन बाद आकर ले जाऊंगा और ग्यारह दिनों तक चुप रहने और सोशल मीडिया से दूर रहने के पचास हजार रूपये भी दूँगा। ग्यारह दिन मैडम वाई चुप रह जायें तो उनकी बकबक की ऊर्जा की जो मिसालें लोग दिया करते थे, उसका क्या होगा। और फिर जो उन्होंने घड़ी घड़ी स्टेटस अपडेट की है, उसका क्या होगा, जब वो लखनऊ की ट्रेन में बैठीं तो उन्होंने स्टेटस लिखा कि वो मुम्बई से लखनऊ प्लेन से सफर कर रही हैं। ऐसा ही बहुत कुछ स्टेटस अपडेट जो वो घड़ी-घड़ी करती रही हैं, उसका क्या होगा। जो उन्हें ढाई हजार के अवार्ड के लिए ढाई सौ ग्राम शुभकामनाएं मिली हैं, उनका उन्हें कुतल-कुतल धन्यवाद ज्ञापित करना है, फोन पर बात करके भी और भी फेसबुक पर भी, फिर फेसबुक, वाट्सएप और इंस्टाग्राम पर फोटो भी डालनी है, उनको काउंट करके मैडम फलानी, मिस्टर धमाके को भी दिखा देना है, फिर ऐसे माहौल में ये आदमी उन्हें ग्यारह दिन चुप रहने और सोशल मीडिया से दूर रहने को

कर रहा है, इसीलिए सरकार इसको रिटायर कर रही है, क्योंकि ये सटिया चुके हैं। उन्होंने साफ इंकार कर दिया। झल्लाए हुए उनके खाबिन्द ने ऑफर की रकम बढ़ाते हुए कहा 'अगर तुम लघुकथा छोड़ दो, सिर्फ घर-गृहस्थी पर ध्यान दो, तो मैं तुम्हें एक लाख रुपये दूँगा।' मैडम वाई ने सोचा कि ये आदमी तो मेरे शौक पर निवेश करने के बजाय मेरा शौक छुड़वाने का ऑफर दे रहा है। उन्होंने चेहरा घुमाकर पर्स निकाला, कागज के एक टुकड़े पर लिखा शेर याद किया और फिर आँख में पिलसरीन डाला, जिससे उनकी आंख डबडबा गयीं, वो रुंधे गले से याद किया हुआ शेर बोलीं।

मेहर की तुझसे तवक्को थी, सितमगर निकला मोंम समझे थे तेरे दिल को तो पत्थर निकला।

मिस्टर एक्स ने कहा 'अब मैं पिलसरीन के ऑप्सु और रटे हुए शेर के झांसे में नहीं आने वाला, तुम्हें मेरी बात माननी ही होगी वरना?' मैडम वाई हैरान रह गईं इस आदमी की इतनी हिम्मत। कुछ सोच-विचार करने के बाद मैडम वाई ने लोना कुएं के किनारे चक्कर लगाया और बोधि कर बोलीं 'मैं संसार की प्रत्येक वस्तु का त्याग कर सकती हूँ, सब मोह-माया है, केवल लघुकथा ही ऐसा तत्व और सत्य है, जिससे मुझे परम ज्ञान की प्राप्ति हुई है। मैंने इस सत्य को आत्मसात कर लिया है और खुद को सारी मोह माया से मुक्त घोषित करती हूँ। अब मैं जीऊंगी तो इसी के लिए और मरूंगी तो इसी के लिए, बाकी सब मिथ्या और त्याज्य है।' मिस्टर

एक्स उनका ये रूप देख कर डर गए और मैडम को लेकर मुम्बई लौट आए। मुम्बई पहुंचते ही ढाई हजार के अवार्ड को लेकर मैडम वाई ने सनी देओल के ढाई किलो वाला हाथ मिस्टर एक्स की जेब पर चला दिया। उन्होंने अपनी सहेलियों की फोटो माँग-माँग कर अखबारों में ढाई-ढाई हजार रूपयों के तमाम विज्ञापन छपवाए अपने अवार्ड के अभिनंदन के लिए। केवल वाले को भी ढाई हजार दे दिए, पूरी सोसाइटी की टीवी में दिन भर उनकी अवार्ड की फोटो आती रही। उस गैर हिंदी भाषी बिल्डिंग में लोगों की बधाइयों का तांता लग गया, यही सब कुछ तो चाहती थीं मैडम वाई कि उनके चर्चे हों, भले

लाख वाला सिल्वर कटेगरी की दावत फाइनल कर दी है। वो पूरी सोसाइटी में घूम-घूम कर दावत दे रही हैं... आपको उनका निर्मंत्रण मिला क्या?



कविता



नारी

नारी तू वो सूर्य किरण है,
जो दुनिया को रोशन करती है।
तू फूलों की वो बगिया है,
जो दुनिया को सुगंध देती है।
तू एक नदिया की धारा है,
जो दुनिया को जीवन देती है।
तू ही वो माँ की ममता है,
जो दुनिया को प्यार देती है।
तू एक सखी सी निश्छल है,
जो दुनिया को साथ देती है।
तू एक पत्नी की वफादारी है,
जो दुनिया को मजबूत बनाती है।
नारी तू एक अनमोल रत्न है,
जिसकी कीमत कोई चुका न सका है
तू एक सुंदर सी कविता है,
जो दुनिया को भावों से भर देती है।



- हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
- आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

BRIEF NEWS

सृष्टि को बचाने के लिए वृक्ष जरूरी : शिवराज



RANCHI : शनिवार को भाजपा डोरंडा मंडल के कुसई कॉलोनी स्थित मंदिर प्रांगण में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पौधरोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सृष्टि को बचाने के लिए वृक्ष जरूरी हैं। यह कार्य पौधरोपण के जरिये हो सकता। शिवराज ने कहा कि मौसम को अनुकूल रखने के लिए भी वृक्ष जरूरी हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा महानगर अध्यक्ष वरुण साहू, प्रदेश के युवा नेता रोहित शारदा, युवा मोर्चा के महानगर अध्यक्ष रोहित नारायण सिंह, मनोज वर्मा, शोभा सिंह, अशोक सिंह, जॉनी वाकर खान, महेश विजय सहित अन्य कार्यकर्ता एवं स्थानीय निवासी मौजूद थे।

जसवंत सिंह हत्याकांड में तीन दोषियों को उम्रकैद

RANCHI : एचईसी के श्रमिक नेता दिवंगत राणा संग्राम सिंह के पुत्र ठाकुर जसवंत सिंह हत्याकांड में दोषी मुक्त के चचेरे ससुर अमर सिंह, चचेरे भाई वंश नारायण सिंह और उसके पुत्र गणेश सिंह को अपर न्यायायुक्त राणेश कुमार सिंह की अदालत ने शनिवार को उम्र कैद की सजा सुनाई है। साथ ही अदालत ने तीनों पर पांच लाख 30 हजार-पांच लाख 30 हजार रुपये का जुमाना लगाया है। जुमाने की राशि मुक्त की पत्नी और बच्चे को दी जाएगी। इससे पूर्व 11 सितंबर को अदालत ने तीनों को दोषी करार दिया था जबकि एक अन्य आरोपित ओम प्रकाश उर्फ गुड्डू को कोर्ट ने पचास साक्ष्य के अभाव में रिहा कर दिया था। एक आरोपित अमर सिंह का चालक रमेश फरार है। इस हत्या की घटना को नौ अक्टूबर, 2015 को धुर्वा थाणा क्षेत्र के वीर कुंवर सिंह चौक के पास सुबह आठ बजे अंजाम दिया गया था।

पूर्व केंद्रीय मंत्री से मिला आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा का प्रतिनिधिमंडल

RANCHI : झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा का एक प्रतिनिधिमंडल शनिवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय से मिला। आंदोलनकारियों के राजकीय मान सम्मान, अलग झारखंडी पहचान, बेटा-बेटियों के रोजी रोजगार और नियोजन के अधिकारों की रक्षा एवं जेल जाने की बाधयता को दूर करते हुए सभी को समान रूप से सम्मान पेशन राशि 50-50 हजार रुपये सरकार से देने की मांग को लेकर मुलाकात की। मौके पर सहाय ने आंदोलनकारियों की मांगों के संदर्भ में कहा कि यह गंभीर विषय है। सरकार को अलग राज्य के लिए संघर्ष करने वालों की जायज मांगों पर विचार करना चाहिए। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के संस्थापक और प्रधान सचिव पुष्कर महतो ने कहा कि हेमंत सरकार को राज्य के आला अघिकारी झारखंड आंदोलनकारियों को बोलू बताते हैं। झारखंड आंदोलनकारियों को उनके संवैधानिक अधिकारों से वंचित किये हुए हैं।

विधानसभा चुनाव के पहले हेमंत सरकार ने किया बड़ा फैसला झारखंड में 11 आईएस और 52 जेएस अधिकारियों का तबादला

PHOTON NEWS RANCHI :

शनिवार को झारखंड में विधानसभा चुनाव के पहले हेमंत सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा और झारखंड प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारियों का बड़े पैमाने पर तबादला किया है। भारतीय प्रशासनिक सेवा के 11 पदाधिकारी का स्थानांतरण पदस्थापन किया गया है। इस संबंध में कार्मिक विभाग ने अधिसूचना जारी कर दिया है। अनुमंडल पदाधिकारी मधुपुर देवघर आशोष अग्रवाल को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक परियोजना निदेशक समेकित जनजातीय विकास अधिकरण सरायकेला खरसावां के पद पर नियुक्त एवं पद स्थापित किया गया है। अनुमंडल पदाधिकारी खूंटी अनिकेत सवान को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक अपर जिला दंडाधिकारी विधि-व्यवस्था पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर के पद पर नियुक्त एवं पद स्थापित किया गया है। अनुमंडल पदाधिकारी हुसैनाबाद पीयूष सिन्हा को स्थानांतरित करते हुए अपर जिला दंडाधिकारी विधि-व्यवस्था धनबाद के पद पर नियुक्त एवं पद स्थापित किया गया है। अनुमंडल पदाधिकारी चक्रधरपुर रीना हंसदा को स्थानांतरित करते हुए अपर परियोजना निदेशक समेकित जनजातीय विकास अधिकरण गुमला के पद पर नियुक्त एवं पद स्थापित किया गया है। अपर सचिव वित्त विभाग शताब्दी मजूमदार को स्थानांतरित करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी धालभूम के पद पर नियुक्त किया गया है। अपर सचिव वित्त विभाग शताब्दी मजूमदार को स्थानांतरित करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी धालभूम के पद पर नियुक्त किया गया है। अपर सचिव वित्त विभाग शताब्दी मजूमदार को स्थानांतरित करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी धालभूम के पद पर नियुक्त किया गया है। अपर सचिव वित्त विभाग शताब्दी मजूमदार को स्थानांतरित करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी धालभूम के पद पर नियुक्त किया गया है।



जमशेदपुर की एसडीओ बनीं शताब्दी मजूमदार, एडीएम अनिकेत

पूर्वी सिंहभूम जिले के बालभूम अनुमंडल की नई एसडीओ शताब्दी मजूमदार होगी, जबकि पारुल सिंह को मुख्यालय भेज दिया गया है। शताब्दी मजूमदार वित्त विभाग, झारखंड में सचिव थीं। शताब्दी मजूमदार भी आईएस अधिकारी हैं, जिससे जिले में आईएस अधिकारियों की संख्या पांच हो जाएगी। इनके अलावा जिले में अपर जिला दंडाधिकारी अनिकेत सवान बनाए गए हैं, जो अब तक खूंटी के एसडीओ थे। कोल्हान के अन्य प्रमुख तबादलों में चक्रधरपुर की एसडीओ रीना हंसदा भी हैं, जिन्हें डीआरडीए, गुमला का निदेशक बनाया गया है। उनके स्थान पर श्रुति राजलक्ष्मी पदस्थापित की गई हैं, तो पदस्थापना की प्रतीक्षा में थीं।



इसी तरह जगन्नाथपुर की एसडीओ प्रोजल दांडा बनाई गई हैं। पूर्वी सिंहभूम के एसओआर सह एडीएम

रवि कुमार को अगले आदेश तक अनुमंडल पदाधिकारी देवघर के पद पर नियुक्त एवं पद स्थापित किया गया है। प्रतीक्षारत दीपेश कुमारी को अगले आदेश तक अनुमंडल पदाधिकारी खूंटी के पद पर नियुक्त किया गया है। प्रतीक्षारत कृष्णाकांत कांवरिया को अगले आदेश तक हुसैनाबाद का अनुमंडल पदाधिकारी बनाया गया है। सुलोचना मीणा को अगले आदेश तक अनुमंडल पदाधिकारी मैदान नगर सदर के पद पर नियुक्ति एवं पदस्थापित किया गया है। प्रतीक्षारत प्रजल डाटा को अगले आदेश तक अनुमंडल पदाधिकारी जगन्नाथपुर के पद पर नियुक्त एवं पद स्थापित किया गया है। उधर, राज्य सरकार ने झारखंड प्रशासनिक सेवा के 52 पदाधिकारी का स्थानांतरण प्रतिस्थापन किया है। अनुमंडल पदाधिकारी पाकुड़ परवीन केर-

- आरआरडीए के भूसंपदा पदाधिकारी बनाए गए पुष्पक
- गौतम बने रांची नगर निगम के उप नगर आयुक्त

लॉ एंड ऑर्डर महेंद्र कुमार को कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग का उप सचिव बनाया गया है। वहीं, एनडीपी के निदेशक और प्रभारी एडीसी अजय कुमार साह को कोल्हान परिवहन प्राधिकरण का सचिव नियुक्त किया गया है। मानगो नगर निगम के अपर आयुक्त रंजीत लोहरा को स्वास्थ्य विभाग में उप सचिव बनाया गया है। लंबे समय से कार्यपालक दंडाधिकारी का दायित्व सभाल रहे सुमित प्रकाश का तबादला ग्रामीण विकास विभाग, झारखंड में किया गया है। जिला कल्याण पदाधिकारी राजेंद्र प्रसाद गुप्ता की जगह सरायकेला के डीटीओ शंकराचार्य समद को नियुक्त किया गया है।

क्रेडा को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक अपर उपायुक्त पश्चिम सिंहभूम चाईबासा के पद पद स्थापित किया गया। अंबल अधिकारी सोनाराय ठाढ़ी देवघर पुष्पक रजक को सेवा राजस्व भूमि सुधार से वापस लेते हुए उन्हें भू संपदा पदाधिकारी आरआरडीए रांची के पद पर पदस्थापित किया गया है। उपनिर्वाचन पदाधिकारी सरायकेला-खरसावां गौतम प्रसाद साहू को अगले आदेश तक उपनगर आयुक्त रांची नगर निगम के पद पर स्थापित किया गया। उपसचिव वाणिज्यिक विभाग राहुल जी आनंद जी को स्थानांतरित करती है अपर नगर आयुक्त आदित्यपुर नगर निगम के पद पर पदस्थापित किया गया। उप सचिव कृषि विभाग फिलबियस बारला स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक अपर नगर आयुक्त रांची के पद पर पदस्थापित

प्रादेशिक परिवहन प्राधिकार कोल्हान प्रमंडल, प्रतीक्षारत लाल ज्योति नाथ शाहदेव वागले को आदेश तक उपनिदेशक राज्य ग्रामीण विकास संस्थान रांची के पद पर पदस्थापित किया गया। जिला परिवहन पदाधिकारी सरायकेला-खरसावां शंकराचार्य समद की सेवा परिवहन विभाग से वापस लेते हुए उन्हें अगले आदेश तक जिला कल्याण पदाधिकारी जमशेदपुर के पद पर पदस्थापित किया गया।

उपनिर्वाचन पदाधिकारी जामताड़ा अनीता केरकेड्डा की सेवा कार्मिक विभाग में दी गई। उपसचिव वित्त विभाग विजय कुमार को अगले आदेश तक सचिव प्रादेशिक परिवहन प्राधिकार हजारीबाग भेजा गया। उपसचिव स्कूली शिक्षा विभाग हरिवंश पंडित को अगले आदेश तक सचिव क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार दक्षिण छोटा नागपुर प्रमंडल रांची के पद पर पदस्थापित किया गया। उपनिदेशक खेलकूद मनीष कुमार को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक सचिव क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार पलामू के पद पर पदस्थापित किया गया। जिला आपूर्ति पदाधिकारी सरायकेला खरसावां उत्तम प्रसाद को अगले आदेश तक उपनिदेशक भू संरक्षण भूमि संरक्षण निदेशालय रांची के पद पर स्थापित किया गया। अपर सचिव वन विभाग प्रभाकर ओझा को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक मुख्य प्रशासनिक पदाधिकारी झारखंड भवन नई दिल्ली के पद पर पदस्थापित किया गया। कार्यपालक दंडाधिकारी बेरमो प्रवीण कुमार की सेवा अगले आदेश तक राजस्व निबंधन भूमि सुधार विभाग को सौंपा गया।

सीजीएल परीक्षा को लेकर गरमाई सियासत

इंटरनेट बंद करना हेमंत का तुगलकी फरमान

PHOTON NEWS RANCHI :

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य में दो दिनों के लिए इंटरनेट बैन को तुगलकी फरमान बताया है। इसे लेकर राज्य सरकार के फैसले की खिंचाई की है। एक्स पर पोस्ट करते कहा कि हेमंत सरकार द्वारा झारखंड में दो दिनों के लिए सुबह से दोपहर तक इंटरनेट बंद किए जाने का निर्णय अव्यवहारिक और हास्यास्पद है। परीक्षा देने के लिए कई राज्यों के अभ्यर्थी शामिल हो रहे हैं। इंटरनेट बंद कर देने के फैसले दूसरे राज्यों से आए अभ्यर्थियों को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। इंटरनेट हमारी दैनिक दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। बच्चों की पढ़ाई लिखाई से लेकर बैंकिंग कार्यों तक, सरकारी दफ्तरों से लेकर गांवों के प्रज्ञा केंद्रों तक स्कूल, कचहरी, इंस्पताल, मकान, दुकान, सड़क यातायात,



रेल सेवा, हवाई सेवा, इंटरनेट हर जगह की जरूरत बन चुका है। आपके द्वारा इंटरनेट बंद किए जाने के निर्णय से आम जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। बाबूलाल ने हेमंत सोरेन से कहा कि सिर्फ इंटरनेट पर ही पाबंदी क्यों लगा रहे हैं? लोगों के घरों से बाहर निकलने पर ही पाबंदी लगा दीजिए। बाजार बंद करा दीजिए। कर्पूर की घोषणा कर दीजिए। अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए बिना पूर्व सूचना के अचानक से देर रात इंटरनेट बंद करने का मूर्खतापूर्ण फैसला वापस लीजिए।

असम देश को दिखा रहा मार्ग : हिमंता

झारखंड सरकार ने दो दिन कुछ घंटों के लिए इंटरनेट सेवा बंद रखने का ऐलान किया है। इस पर टिप्पणी करते हुए असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने शनिवार को कहा कि झारखंड सरकार ने परीक्षाओं के दौरान इंटरनेट सेवाओं को निर्लिखित करना इस पूर्वोत्तर राज्य से सीखा है। इस दौरान उन्होंने कहा कि दूसरे राज्य असम से सीख रहे हैं इसका मतलब है कि असम देश को अब मार्ग दिखा रहा है। आइए जानते हैं हिमंता बिस्व सरमा ने और क्या-क्या कहा है। शुक्रवार को झारखंड सरकार की अधिसूचना में कहा गया है कि झारखंड सामान्य स्नातक स्तर संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा (जेजीएलसीसी) के दौरान किसी भी गड़बड़ी को रोकने के प्रयास के तहत शनिवार सुबह



आठ बजे से दोपहर डेढ़ बजे तक मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निर्लिखित रहेंगी और रविवार को भी ऐसा ही रहेगा। शर्मा ने कामरूप जिले के बेजेरा में संबाददाताओं से कहा कि कंग्रिस परीक्षा के दौरान इंटरनेट निर्लिखित करने को लेकर मेरी आलोचना करती रही है। लेकिन झारखंड में उनकी सरकार यही कर रही है। झारखंड के पार्टी मालतों के प्रभारी भाजपा नेता शर्मा ने कहा कि उन्होंने हमसे सीखा है।

मुख्यमंत्री ने दिवंगत पत्रकार रवि प्रकाश को दी श्रद्धांजलि



PHOTON NEWS RANCHI :

वरिष्ठ पत्रकार दिवंगत रवि प्रकाश का पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए रांची प्रेस क्लब में रखा गया। सीएम हेमंत सोरेन ने पुष्प चक्र अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में बहुमूल्य योगदान देने वाले वरिष्ठ पत्रकार रवि प्रकाश जी का निधन काफ़ी पीड़ादायक है। यह पत्रकारिता जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनके बारे में जितना कुछ कहा जाये, वह कम होगा। पत्रकारिता के प्रति

सर्मापित इस युवा पत्रकार ने पत्रकारिता के क्षेत्र में जो भिन्नाल कायम किये हैं, उन्हें आगे भी जिंदा रखा जाये। हेमंत सोरेन ने शोक की इस घड़ी में रवि प्रकाश के परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने रवि प्रकाश के परिजनों से मुलाकात की और दंडंठस बंधाया। मौके पर राज्यसभा सांसद महोआ मांझी, मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा, एएसपीपी चंदन कुमार सिन्हा, सीटी एसपी राज कुमार मेहत और पत्रकारों ने रवि प्रकाश को श्रद्धांजलि दी।

अग्निवीर भर्ती रैली का रिजल्ट जारी, कल से डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

RANCHI : रांची के खेलगांव में आयोजित अग्निवीर भर्ती रैली का रिजल्ट जारी कर दिया गया है। अंतिम रूप से चयनित उम्मीदवारों की सूची ज्वान्ड ईडब्ल्यू आर्मी वेबसाइट पर देख सकते हैं। बता दें कि रांची में 27 जुलाई से 8 अगस्त तक जनरल ड्यूटी (जीडी), अग्निवीर तकनीकी और अग्निवीर ट्रेड्समैन (10वीं और 8वीं) के लिए अग्निवीर भर्ती रैली का आयोजन किया गया था। सभी चयनित अभ्यर्थियों को डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन को 23 से 25 सितंबर को सुबह आठ बजे रांची सेना भर्ती कार्यालय में रिपोर्ट करने को कहा गया है। 23 को बोकारो, चतरा, देवघर, दुमका, जामताड़ा, खूंटी, पाकुड़, साहिबगंज, गोड्डा, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला खरसावां, 24 को कोडरमा, लातेहार, लोहरदगा, धनबाद, ईस्ट सिंहभूम, गढ़वा, गुमला, सिमडेगा, रामगढ़, 25 सितंबर को रांची, हजारीबाग, गिरिडीह और पलामू के अभ्यर्थियों का डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन किया जायेगा।

राज्यवासियों की आवश्यकता अनुरूप कार्य करना हमारा दायित्व : सुदेश महतो

PHOTON NEWS RANCHI :

सरकार का कर्तव्य अपना नीतियों और फैसलों से जनता के जीवन को सहज बनाना होता है लेकिन वर्तमान सरकार ने अपने फैसलों से जनता के जीवन में परेशानियों को बढ़ाने का काम किया है। कदाचार मुक्त परीक्षा कराने में विफल सरकार ने बिना सोचे समझे सिर्फ अपनी नाकामी छिपाने के लिए इंटरनेट बंद करने का तुगलकी फरमान सुनाया है।

यह बातें पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने बुंदू स्थित पार्टी कार्यालय में शनिवार को आयोजित तमाड़ विधानसभा स्तरीय पंचायत एवं ग्राम प्रभारी सम्मेलन के दौरान कही। उन्होंने कहा कि सरकार के इस फैसले ने आम जनता के जीवन पर प्रतिकूल असर डाला है। बच्चों की पढ़ाई से लेकर डिजिटल लेनदेन, टिकट बुकिंग समेत हर कदम पर आज इंटरनेट की आवश्यकता होती है पर आम जनता के दर्द से दूर इस सरकार को जनता

आजसू का तमाड़ विस स्तरीय पंचायत व ग्राम प्रभारी सम्मेलन संपन्न



कार्यक्रम में उपस्थित आजसू प्रमुख सुदेश महतो व अन्य।

की समस्याओं से कोई सरोकार नहीं है। मौके पर उपस्थित सभी ग्राम व पंचायत प्रभारियों से संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जनता ने बड़ी उम्मीदों के साथ इस सरकार को अपना बहुमूल्य मत दिया था लेकिन इस सरकार ने अपने कार्यकाल के पांच वर्षों में जनता को सिर्फ ठगने का काम किया। हमारा राज्य विकास से दूर हो गया है। झारखंड को पुनः विकास की पटरी पर लाने के लिए आप सभी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। राज्य और राज्यवासियों की आवश्यकता अनुरूप कार्य करना हमारा दायित्व। विकास की शुरूआत गांवों से होनी चाहिए।

धूमधाम से मनाया गया श्री सर्वेश्वरी समूह का 64वां स्थापना दिवस

RANCHI :

श्री सर्वेश्वरी समूह का 64वां स्थापना दिवस धूमधाम से शनिवार 21 सितंबर को रांची शाखा में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 5:30 बजे समूह संस्थापक परम पूज्य अधोरेश्वर महाप्रभु के तैल चित्र के नगर भ्रमण प्रभात फेरी से हुई। इसमें समूह के सदस्य लगभग एक सौ छोटे-बड़े वाहनों में शामिल हुए। सभी आश्रम परिसर से विश्वनाथ शाहदेव चौक, धुर्वा तक गये। इस क्रम में श्रद्धालुओं ने अंधोर पथ स्थित आश्रम परिसर में गुरु पूजन एवं ध्वज पूजन के साथ सफल यौनि सद्ग्रन्थ का पाठ संपन्न किया। इस पुनीत दिवस के महात्युक्त पर आश्रम सभागार में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता शाखा प्रयागराज से पधार परम पूज्य के विशेष प्रतिनिधि हरीश कुमार तिवारी ने की इस अवसर पर सभाध्यक्ष ने समूह के स्थापना के उद्देश्य पर प्रकाश डाला।

इंफ्रास्ट्रक्चर शो के दूसरे दिन 100 करोड़ का हुआ कारोबार

PHOTON NEWS RANCHI :



धुर्वा स्थित प्रभात मैदान में तीन दिवसीय झारखंड माइनिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर शो 2024 के दूसरे दिन शनिवार को बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। ओलंपिया एक्जीबिशन प्राइवेट लिमिटेड के तत्वावधान में आयोजित शो में बी2बी के तहत कई लोगों ने कंपनियों से सीधे बातचीत की और भारी वाहन जैसे जेसीबी, निर्माण उपकरण और अत्याधुनिक खनन उपकरणों के लाइव डेमोंस्ट्रेशन का अवलोकन किया। वहीं, लोगों के विभिन्न कंपनियों के लगे स्टॉल में विजिट किया और जानकारी ली। शो में अत्याधुनिक उपकरण, आधुनिक खनन तकनीक, इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास के समाधान और उद्योग को आगे बढ़ाने वाले नवाचार प्रदर्शित किए गये हैं।

बंगाल की खाड़ी में बने डीप डिप्रेशन के कारण बरसा पानी, कोई ऐसा जिला नहीं रहा, जहां नहीं हुई वर्षा

एक सप्ताह में झारखंड में हुई 174.8 मिमी बारिश

PHOTON NEWS RANCHI :

गत चंद दिनों में बंगाल की खाड़ी में बने डीप डिप्रेशन के झारखंड के 20 जिलों में बहुत भारी बारिश हुई। 2 जिलों में भारी बारिश हुई। कोई ऐसा जिला नहीं रहा, जहां बारिश नहीं हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के रांची स्थित मौसम केंद्र के मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने यह जानकारी दी है। आनंद ने को बताया कि एक सप्ताह में झारखंड में हुई बारिश ने मानसून के सीजन में होने वाली वर्षा की कमी को पूरा कर दिया है। 13 से 19 सितंबर के बीच कुल 174.8 मिलीमीटर वर्षा हुई। इस अवधि में होने वाली सामान्य वर्षा 51.3 मिलीमीटर से यह 241 फीसदी



अधिक है। 1 जून से 19 सितंबर तक के मानसून सीजन में होने वाली वर्षा की बात करें, तो 3 जिलों में सामान्य से अधिक वर्षा हुई है। 16 जिलों में सामान्य

25 से 38 डिग्री के बीच रहा टेंपरेचर

इस सप्ताह के अधिकतम तापमान की बात करें, तो झारखंड में यह सामान्य या उससे कम रिकॉर्ड किया गया। झारखंड का अधिकतम तापमान 25 से 38 डिग्री सेंटीग्रेड के बीच रहा। हालाकि, न्यूनतम तापमान सामान्य या सामान्य से अधिक रहा। झारखंड का न्यूनतम तापमान इस अवधि के दौरान 21 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने अगले 15 दिन यानी 2 सप्ताह के मौसम की भविष्यवाणी करते हुए कहा है कि मानसून टर्फ रांची से गुजर रहा है। इसका असर आगामी दिनों में देखने को मिलेगा। अगले सप्ताह कुछ जगहों पर हल्के से मध्य दर्जे की वर्षा होने की उम्मीद है। हालाकि, झारखंड में बारिश बहुत ज्यादा नहीं होगी। इसके बाद के सप्ताह यानी 27 सितंबर से 3 अक्टूबर के बीच सामान्य वर्षापात होने की संभावना है।

26 तक सामान्य रहेगा तापमान

अगले 15 दिन तक झारखंड के अधिकतम तापमान की बात करें, तो पहले सप्ताह यानी 21 से 26 सितंबर के बीच अधिकतर हिस्सों में अधिकतम तापमान के सामान्य रहने की उम्मीद है। यह 30 से 36 डिग्री सेंटीग्रेड के बीच रह सकता है। वहीं, दूसरे सप्ताह (27 सितंबर से 3 अक्टूबर के बीच) अधिकतम तापमान सामान्य या सामान्य से कम रहने की उम्मीद है। यह 28 से 34 डिग्री सेंटीग्रेड रह सकता है। अब बात करते हैं झारखंड के अगले 15 दिनों के न्यूनतम तापमान की। 26 सितंबर के बीच झारखंड का न्यूनतम तापमान सामान्य रहने की उम्मीद है। यह 21 से 25 डिग्री सेंटीग्रेड के बीच रह सकता है।

नक्सली जया मांझी की रिम्म में मौत, एक करोड़ के इनामी नक्सली प्रयाग की थी पत्नी

RANCHI :

नक्सली प्रयाग मांझी उर्फ विवेक की पत्नी जया मांझी की इलाज के दौरान रिम्म में मौत हो गयी है। यह गॉल ब्लेडर के कैंसर से पीड़ित थी। उसका इलाज ऑंकोलॉजी विभाग के एचओडी डॉ अजीत कुशवाहा की वृन्ट में चल रहा था। रिम्म के पीआरओ डॉ राजीव रंजन ने बताया है कि पहले उनको सर्जरी वार्ड में भर्ती कराया गया था। लेकिन कैंसर टिटेक्ट होने के बाद ऑंकोलॉजी में शिफ्ट कर दिया गया था। करीब डेढ़ माह पहले मेडिकल बोर्ड गठित कर उनके स्वास्थ्य की जांच की गई थी। मेडिकल बोर्ड ने उच्चतम मेडिकल संस्थान में रेफर करने की अनुशंसा की थी। रिम्म प्रबंधन ने मेडिकल बोर्ड के इस अनुशंसा को एक सप्ताह पहले भी रिमांडर के रूप में जेल प्रशासन को भेजा था।

इंफ्रास्ट्रक्चर शो के दूसरे दिन 100 करोड़ का हुआ कारोबार

PHOTON NEWS RANCHI :

धुर्वा स्थित प्रभात मैदान में तीन दिवसीय झारखंड माइनिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर शो 2024 के दूसरे दिन शनिवार को बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। ओलंपिया एक्जीबिशन प्राइवेट लिमिटेड के तत्वावधान में आयोजित शो में बी2बी के तहत कई लोगों ने कंपनियों से सीधे बातचीत की और भारी वाहन जैसे जेसीबी, निर्माण उपकरण और अत्याधुनिक खनन उपकरणों के लाइव डेमोंस्ट्रेशन का अवलोकन किया। वहीं, लोगों के विभिन्न कंपनियों के लगे स्टॉल में विजिट किया और जानकारी ली। शो में अत्याधुनिक उपकरण, आधुनिक खनन तकनीक, इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास के समाधान और उद्योग को आगे बढ़ाने वाले नवाचार प्रदर्शित किए गये हैं।

एक सप्ताह में झारखंड में हुई 174.8 मिमी बारिश

गत चंद दिनों में बंगाल की खाड़ी में बने डीप डिप्रेशन के झारखंड के 20 जिलों में बहुत भारी बारिश हुई। 2 जिलों में भारी बारिश हुई। कोई ऐसा जिला नहीं रहा, जहां बारिश नहीं हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के रांची स्थित मौसम केंद्र के मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने यह जानकारी दी है। आनंद ने को बताया कि एक सप्ताह में झारखंड में हुई बारिश ने मानसून के सीजन में होने वाली वर्षा की कमी को पूरा कर दिया है। 13 से 19 सितंबर के बीच कुल 174.8 मिलीमीटर वर्षा हुई। इस अवधि में होने वाली सामान्य वर्षा 51.3 मिलीमीटर से यह 241 फीसदी

BRIEF NEWS

टाटा स्टील यूआईएसएल के 678 कर्मचारियों में बंटेंगे 7.91 करोड़ रुपये बोनस

JAMSHEDPUR : टाटा स्टील यूआईएसएल में वित्तीय वर्ष 2023-2024 के लिए वार्षिक बोनस पर शनिवार को समझौता हुआ। इसके अंतर्गत 678 कर्मचारियों के बीच बोनस के रूप में 7.91 करोड़ रुपये



का भुगतान किया जाएगा। कर्मचारियों के बैंक खाते में 24 सितंबर को बोनस राशि भेज दी जाएगी। समझौते पर एमडी ऋतुराज सिन्हा और यूनिनयन के अध्यक्ष रघुनाथ पांडेय ने डीएलसी राजेश

प्रसाद समेत कंपनी के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और यूनिनयन पदाधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। ज्ञात हो कि टाटा स्टील यूटीलिटिज, इंफ्रस्ट्रक्चर एंड सर्विसेज लिमिटेड का पूर्व नाम जुस्को लिमिटेड था।

कोयला राज्य मंत्री ने राजमहल क्षेत्र का किया दौरा

GODDA : कोयला राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने शुक्रवार को जिले के अंतर्गत कार्यरत ईसीएल के राजमहल क्षेत्र में सक्षिप्त कार्यक्रम एवं रात्रि विश्राम किया। उनके आगमन पर ईसीएल मुख्यालय के वित्त निदेशक अंजर आलम एवं स्थानीय क्षेत्रीय महाप्रबंधक एएन नायक ने महागामा स्थित राजमहल हाउस में उनका स्वागत किया। इस दौरान मंत्री ने राजमहल परियोजना का सक्षिप्त समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। शनिवार को एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत राजमहल हाउस के प्रांगण में मंत्री ने पर्यावरण के सुरक्षा एवं जागरूकता के लिए पौधरोपण किया। जानकारी के अनुसार मंत्री सुबह साहिबगंज जिले के मंडरो में दौरा जलॉजिकल सर्वे आफ इंडिया के विशेष कार्यक्रम के लिए रवाना हो गए। इस कार्यक्रम में महाप्रबंधक (संचालन) सतीश मुरारी, क्षेत्रीय अभियंता (असैनिक) मोहित कुमार चंदेल, क्षेत्रीय वित्तीय प्रबंधक एस के अंबाष्टा, क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक संदेश एस वडाडे एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

चक्रधरपुर विधानसभा से कांग्रेस के छह दावेदार

CHAKRADHARPUR : प्रदेश कांग्रेस के निर्देश पर जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर दास की सहमति से शनिवार को खादी भंडार, केरा में बैठक हुई। इसमें चक्रधरपुर से विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए 6 दावेदार सामने आए। इसमें जिला उपाध्यक्ष सह प्रबंधक पर्यवेक्षक रमेश सिंह को विजय सिंह सामड, प्रीतम बाकिरा, अनुप्रिया सोय, मांगु हो, विजय सिंह सुम्बरू व नारायण सिंह पूर्ति ने दावेदारी का आवेदन दिया।

परीक्षा को लेकर झरिया से पकड़े गए दो युवक

DHANBAD : धनबाद में आयोजित स्नातक योग्यताधारी परीक्षा से पूर्व झरिया से दो युवक पकड़े गए हैं। इनके पास से दर्जनों मोबाइल फोन, एटीएम और रोल नंबर मिले हैं। लोहरदगा पुलिस की सूचना पर धनबाद पुलिस ने यह कार्रवाई की है। पकड़े गए युवक जहानाबाद और गोमिया (बोकारो) के हैं।

आज निकलेगी बिहार-यूपी स्वाभिमान एकता यात्रा

JAMSHEDPUR : बिहार-यूपी एकता मंच द्वारा रविवार को स्वाभिमान एकता यात्रा निकाली जाएगी, जो बारीडीह गोलचक्र से एग्रिको गोलचक्र तक जाएगी। झारखंड गठन के बाद पहली बार निकल रही इस यात्रा में बिहार-यूपी के लोग पुराने समय में प्रचलित पारंपरिक परिधान में शामिल होंगे। पुरुष कंधे पर गमछ व हाथ में लाठी लिए रहेंगे। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि यूट्यूबर मनीष कश्यप होंगे। आयोजक सागर तिवारी ने कहा कि बिहार और यूपी पूरे विश्व में अपनी संस्कृति और संस्कार के लिए लोकप्रिय हैं। हमारा छठ पर्व पूरे विश्व का सबसे बड़ा पर्व बन चुका है। अब देश के भीतर की राजनीति समाज के भाईभ्राता को तोड़ रही है।

बंगाल बॉर्डर खुला, 24 घंटे बाद आवागमन हुआ सामान्य

GHATSHILA : पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा पश्चिम बंगाल में बाढ़ आ जाने को लेकर गुरुवार की रात बंगाल बॉर्डर सील कर दिया था, जिससे बंगाल के चिंचड़ा से पूर्वी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा तक 25 किलोमीटर तक वाहनों की कतार लग गई थी। इसके कारण ट्रक चालकों की परेशानी बढ़ गई थी। जैसे-जैसे रात हो रही थी, जाम भी बढ़ता ही जा रहा था। इसी बीच, शुक्रवार को रात लगभग 7.30 बजे बंगाल के चिंचड़ा बॉर्डर तथा पश्चिम बंगाल के ओडो गांव में लगा बैरियर हटा लिया गया। 24 घंटे बाद आवागमन सामान्य होने पर ट्रक चालकों ने राहत की सांस ली। इस जाम के दौरान छोटे वाहनों को भी दिक्कत का सामना करना पड़ा। यह निर्णय कैसे लिया गया, इसकी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

संतरागाछी-आनंद विहार एक्सप्रेस के 6 फेरे रद्द

JAMSHEDPUR : रेलवे ने टंड के मौसम में कुहासे को लेकर ट्रेनों के लेट होने का हवाला देते हुए कई ट्रेनों को रद्द कर दिया है। इसमें टाटानगर से चलने वाली दो ट्रेन टाटा-अमृतसर -टाटा एक्सप्रेस और संतरागाछी-नईदिल्ली-संतरागाछी एक्सप्रेस को रद्द किया है। सकुलर के मुताबिक ट्रेन नंबर- 18103/ 18104 टाटा-अमृतसर -टाटा के 26 फेरे और ट्रेन नंबर- 22857/22858 संतरागाछी-आनंदविहार-संतरागाछी एक्सप्रेस के 6 फेरे रद्द किए गए हैं। ट्रेन नंबर- 18103 टाटा-अमृतसर एक्सप्रेस 2 दिसंबर से 26 फरवरी, ट्रेन नंबर- 18104 अमृतसर- टाटा एक्सप्रेस 4 दिसंबर से 28 फरवरी, ट्रेन नंबर-22857 संतरागाछी-आनंदविहार एक्सप्रेस 2 दिसंबर से 6 जनवरी और आनंदविहार-संतरागाछी एक्सप्रेस 3 दिसंबर से 7 जनवरी तक रद्द रहेगी।

व्यवहार न्यायालय में दुर्घटना व बीमा क्लेम को लेकर कार्यशाला का आयोजन

जल्द मुआवजा दिलाना परोपकार का काम

PHOTON NEWS LOHARDAGA : शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने मोटर वाहन दुर्घटना एवं बीमा क्लेम को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन व्यवहार न्यायालय, लोहरदगा परिसर स्थित सभागार में किया।

कार्यशाला का उद्घाटन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष डालसा आर के मिश्रा, प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय सुभाष, एडीजे द्वितीय नौरजा आसरी सहित अन्य ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष डालसा आर के मिश्रा ने कहा कि मोटर दुर्घटना में पीड़ित परिवार को जल्द मुआवजा दिलाना हम सभी का कर्तव्य है। यह परोपकार का काम है। इस



कार्यशाला को संबोधित करते अतिथि।

● फोटोन न्यूज

कार्य में गतिशील रहे। साथ ही केस जरूर दर्ज करें। एडीजे द्वितीय नौरजा आसरी ने कहा कि प्रथम दुर्घटना रिपोर्ट 48 घंटे में न्यायालय में जमा करें। उन्होंने कहा कि एमएससी 1999 के तहत नाबालिक द्वारा वाहन चलते हुए पकड़े जाने पर वाहन मालिक और। अभिभावक पर कार्यवाई होगी। उन्होंने सड़क दुर्घटना के बाद भरे जाने वाले विभिन्न फार्मों के बारे में विस्तार से बताया। साथ

अपराधियों के पास से 12 मोबाइल, 14 सिम, चार पासबुक बरामद

साइबर ठग गिरोह का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार

PHOTON NEWS JAMTARA : साइबर अपराध के मामले में चर्चित जामताड़ा में साइबर अपराधी नए तकनीक अपनाकर साइबर अपराध को अंजाम देने में सफल हो रहे हैं। अब तक साइबर अपराधी बैंक अधिकारी बनकर फर्जी मैसेज भेजकर साइबर ठगी को अंजाम देते थे, लेकिन जैसे-जैसे लोग जागरूक हो रहे हैं, अपराधी अपना तरीका भी बदलने लगे हैं। ऐसा ही एक मामला साइबर थाना की पुलिस ने चार साइबर अपराधियों को पकड़ने के बाद पदांश किया है, जो नए तकनीक के जरिए साइबर ठगी को अंजाम दे रहे थे। इनमें से दो अपराधी सो भाई हैं। पकड़े गए साइबर अपराधियों के पास से 12 मोबाइल, 14 सिम, एक



पुलिस गिरफ्तार में साइबर ठग।

● फोटोन न्यूज

एटीएम कार्ड, चार पासबुक, एक आधार कार्ड और एक पैन कार्ड बरामद किए गए हैं। बताया जाता है कि पकड़े गए साइबर अपराधी यूट्यूब में कस्टमर केयर का वीडियो प्ले कर स्क्रीन शेयरिंग कर लेते थे और कस्टमर को मैसेज कर कॉल के जरिए उनसे ओटीपी और

सारी जानकारी प्राप्त कर लेते थे। अलग-अलग ई-वॉलेट के माध्यम से उनका पैसा उड़ा लेते थे। पकड़े गए साइबर अपराधी अब तक कितने लोगों को अपना शिकार बना चुके हैं, पुलिस इसकी जांच में जुट गई है। साथ ही साइबर अपराधियों के पास से जन्त मोबाइल से भी

सम्मानित किए गए रेल रोको आंदोलन के कुड़मी कार्यकर्ता



PHOTON NEWS CHAKRADHARPUR : कुड़मी को आदिवासी का दर्जा दिलाने के लिए 20 सितंबर 2023 को रेल टेका (रोको) आंदोलन हुआ था। इस आंदोलन के एक वर्ष पूरा होने पर कुड़मी समाज के महिला-पुनर्जी को सम्मानित किया गया। आंदोलन के दूसरे दिन मनोहरपुर के ढीपा गांव से युवा समजसेवी अमित महतो के साथ 19 लोगों को प्रशासन द्वारा गिरफ्तार किया गया था। इन्हें लगभग 70 दिनों तक जेल में रखा गया था। 40 अन्य पर भी

झामुम सरकार ने एफआईआर किया था। समाज के लोगों का दावा है कि वे सभी निर्दोष थे। राज्य सरकार को इन पर लगा केस निरस्त कर देना चाहिए। जैसे अभी यह केस न्यायालय में लंबित है। इस मौके पर मनोज हिंदयार, जितेंद्र महतो, भानु महतो, रूपन महतो, जगबंधु महतो, निर्मल महतो, एकादशी महतो, हरिचरण महतो, अनादि महतो, विनय महतो, राहुल महतो आदि समेत काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

करम महोत्सव में विभिन्न गांवों की 30 नृत्य मंडली हुई शामिल, मिला पुरस्कार

PHOTON NEWS CHAKRADHARPUR :

करम-परब महोत्सव का आयोजन शनिवार को चक्रधरपुर के फेलोटुंगी सरना स्थल, बनमालीपुर में हुआ, जिसमें विभिन्न गांवों की 30 नृत्य मंडली शामिल हुई। उरांव सरना समिति, चक्रधरपुर के तत्वाधान में तीन दिवसीय कोल्हानस्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता सह सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए, जिसका उद्घाटन विधायक सुखराम उरांव ने दीप प्रज्वलित कर किया। इससे पहले पाहन सोमरा टोप्यो व गणेश मिंज ने पूजा-अर्चना की। सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान सभी लोग पारंपरिक वेशभूषा में नजर आए। मांदर की थाप पर पारंपरिक वस्त्र लाल व सफेद रंग की साड़ी, धोती-कुर्ता पहनकर एक से बढ़कर एक नृत्य प्रस्तुत किया। इस दौरान विधायक सुखराम उरांव ने कहा कि संस्कृति, परंपरा व सभ्यता को जीवित रखना हमारा कर्तव्य है। इस तरह के कार्यक्रम से समाज-संस्कृति

संस्कृति-परंपरा को जीवित रखना हमारा कर्तव्य : विधायक



जीवित रहती है। निर्णायक मंडली में चाईबासा निवासी जेना कच्छप, जमशेदपुर निवासी सोमा कोया व चक्रधरपुर निवासी लालु कच्छप ने नृत्य, वस्त्र, साज सज्जा, संगीत और मांदर की थाप को बारीकी से देखते हुए अपना निर्णय सुनाया। इस दौरान विधायक ने प्रथम पुरस्कार एक लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार 50 हजार रुपये एवं तृतीय पुरस्कार के रूप में 25 हजार रुपये नगद पुरस्कार दिया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी नृत्य मंडली को सांत्वना पुरस्कार दिया गया।

मुख्यमंत्री 24 को आगे इटखोरी, उपायुक्त ने किया स्थल निरीक्षण

CHATRA : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 24 सितंबर को चतरा जिले के इटखोरी प्रखंड मुख्यालय पहुंचे। इसके मद्देनजर उपायुक्त रमेश घोषाल इटखोरी कार्यक्रम स्थल पहुंचे। उन्होंने हेलीपैड स्थल, लोगों के आवागमन समेत अन्य आवश्यक तैयारियों को लेकर अधिकारियों को आपस में समन्वय बनाते हुए कार्य करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल होंगे और लाभुकों के बीच परिपत्तियों का वितरण, योजनाओं का स्वीकृति पत्र समेत कराईंगे। के विकास व जनकल्याणकारी योजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन करेंगे। वे आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम कार्यक्रम में भाग लेंगे। मौके पर पुलिस अधीक्षक विकास कुमार पांडेय, उप विकास आयुक्त पवन कुमार मंडल, जिला परिवहन पदाधिकारी इंद्र कुमार, जिला नियोजन पदाधिकारी मन्नु कुमार समेत अन्य संबधित उपस्थित थे।

गिरिडीह में डोभा में डूबकर दो नाबालिगों की मौत

GIRIDIH : धनवार प्रखंड के घोड़तम्बा ओपी के बासगी गांव से एक किलोमीटर दूर शनिवार दोपहर में दो नाबालिगों की मौत डोभा में डूबने से हो गयी। मृतकों में बसागी गांव निवासी मोहम्मद सरफराज का बेटा मोहम्मद उमर (16) और बलहरा निवासी मोहम्मद मनिरुद्दीन का बेटा महफूज (11) शामिल है। घटना की जानकारी जब परिजनों को मिली, तो परिवार में कोहराम मच गया। इस दौरान जानकारी मिलने के बाद घोड़तम्बा ओपी पुलिस ने भी घटनास्थल पहुंच कर पूरे मामले की जानकारी ली। हालांकि दोनों नाबालिगों के परिजनों ने शव को पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया। लेकिन स्थानीय ग्रामीणों के समझाने के बाद परिजन पोस्टमार्टम के लिए तैयार हुए और दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया।

पुलिस व शिक्षकों से उलझे विद्यार्थी

जेएसएससी सीजीएल परीक्षा घाटशिला कॉलेज में हंगामा



PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : झारखंड सामान्य स्नातक योग्यताधारी संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा जमशेदपुर शहर स्थित केंद्रों पर शांतिपूर्ण रही, जबकि घाटशिला में परीक्षार्थियों ने हंगामा किया। परीक्षा केंद्र घाटशिला कॉलेज पहुंचे परीक्षार्थियों ने पुलिस पदाधिकारी तथा शिक्षकों के साथ बैग अंदर ले जाने से रोकने पर जमकर हंगामा किया। केंद्राधीक्षक प्रो. एसपी सिंह ने परीक्षार्थियों को काफी समझाया, बावजूद वे छात्र शांत नहीं हुए। यहां तक कि वे परीक्षा केंद्र के

अंदर जाने से इन्कार करने लगे। इस पर प्रो. सिंह ने दोटूक शब्दों में कहा कि परीक्षार्थी सिर्फ एडमिट कार्ड और पेन लेकर ही अंदर प्रवेश कर सकते हैं। केंद्र में प्रवेश करने का समय हो गया है। इसके बाद भी परीक्षार्थी काफी देर तक पुलिस एवं कॉलेज के शिक्षकों से बहस करते रहे। अंत में परीक्षार्थियों ने आपापास की दुकानों में अपना बैग रखा और केंद्र में दाखिल हुए। परीक्षार्थियों कहना था कि कॉलेज परिसर के अंदर कहीं भी बैग तथा मोबाइल रखने की व्यवस्था होनी चाहिए।

टाटा मोटर्स के कर्मियों को मिलेंगे अधिकतम 63,872 रुपये बोनस

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : शनिवार को टाटा मोटर्स के कर्मचारियों का बोनस समझौता हो गया। कंपनी के 6000 कर्मचारियों को 11 प्रतिशत बोनस मिलेगा। वहीं 2500 अस्थायी कर्मचारियों को 8.33 प्रतिशत बोनस मिलेगा। कंपनी के स्थायी कर्मचारियों को न्यूनतम 23 हजार, औसतन 46,418 और अधिकतम 63,872 रुपए बोनस के रूप में मिलेंगे। कर्मचारियों के खाते में बोनस राशि 1 अक्टूबर को वेतन के साथ चली जाएगी।

बोनस समझौते पर टाटा मोटर्स के प्लांट हेड रवींद्र कुलकर्णी व यूनिनयन के अध्यक्ष गुरमीत सिंह तोते व महामंत्री आरके सिंह समेत अन्य पदाधिकारियों ने हस्ताक्षर किए। इसके साथ ही तय हुआ कि पूर्व में फुलटाइम अप्रेंटिस और टाटा मोटर्स में स्किल ट्रेनिंग कर चुके 116 लोगों की भी नियुक्ति की



जुलूस निकालकर सुशी का इजहार करते कर्नलदाी।

● फोटोन न्यूज

जाएगी। इसके साथ ही कंपनी में नियुक्ति की प्रक्रिया सतत जारी रहे इसके लिए एफटीए में बच्चों को परीक्षा के माध्यम से चयनित किया जाएगा। इन बच्चों को एफटीए पुरा करने के बाद अरका जैन विश्वविद्यालय से डिप्लोमा और बीई की पढ़ाई कराई जाएगी। इन्हें कार्य के साथ ही स्टाइपेंड भी मिलेगा। पहले वर्ष 11 हजार रुपये, दूसरे वर्ष 12 हजार रुपये तथा तीसरे वर्ष 14 हजार रुपये मिलेगा। बोनस समझौते में यूनिनयन ने प्रबंधन से आग्रह कर

स्थायीकरण की सूची में इस बार 100 अधिक लोगो के सूची निकालने की बात कही, इसे मान लिया गया। अक्टूबर में 225 की बजाए कुल 325 अस्थायी कर्मचारियों की सूची जारी होगी। हर तिमाही स्थायीकरण प्रक्रिया के तहत 225 लोगो को स्थायीकरण के लिए सूची जारी कर प्रक्रिया के तहत मेडिकल किया जा रहा था। बोनस समझौते के बाद कर्मचारियों ने ढोल-नागाड़े के साथ कंपनी गेट से यूनिनयन कार्यालय तक जुलूस निकाला।

शिक्षकों को कल तक प्रोन्नति का मिला आश्वासन, आंदोलन स्थगित



PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं को लेकर शनिवार को झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ की जिला इकाई की और से अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह की अगुवाई में शिक्षा विभाग कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन किया गया। इसमें 200 से अधिक शिक्षक शामिल हुए और अपनी विभिन्न मांगों के समर्थन में नारेबाजी की। यह प्रदर्शन करीब तीन घंटे तक चला। इसके बाद डीएसई के आश्वासन पर समाप्त हुआ। विभाग से आश्वासन मिला कि 23 सितंबर को प्रोन्नति को

लेकर स्थापना समिति की बैठक होगी। इसमें प्रोन्नति की सूची रखी जाएगी। जिला शिक्षा अधीक्षक आशीष कुमार पांडे ने संघ के प्रतिनिधिमंडल से अपने कार्यालय में वार्ता भी की। इसमें कहा गया कि 23 को समिति द्वारा अनुमोदित किए जाने के बाद फाइनल सूची जारी कर दी जाएगी। उन्होंने दूसरी मांगों पर भी सकारात्मक निर्णय लेने का आश्वासन दिया। संघ की ओर से कहा गया कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं, तो इससे भी बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

प्रशासन का सहयोग नहीं मिलने पर भड़के परिजन, किया विरोध-प्रदर्शन

PHOTON NEWS PALAMU :

कोयल नदी तट पर रील बनाने के लिए वीडियो बनाते समय नदी के तेज धार में बहे युवक का 24 घंटे बीत जाने के बाद भी कोई अता पता नहीं चल पाया है। इस बीच अपने स्तर से खोजबीन करने के क्रम में प्रशासनिक सहयोग नहीं मिलने के खिलाफ परिजन और स्थानीय लोगों ने छहमुहान को ढाई घंटे तक जाम रखा। धरना-प्रदर्शन किया। परिजन एसडीआरएफ की टीम बुलाकर युवक को ढूँढने की गुहार लगा रहे हैं। सड़क जाम डेढ़ बजे से चार बजे तक रहा। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार की शाम शहर थाना क्षेत्र अंतर्गत कोयल नदी तट पर रील बनाने के लिए वीडियो बनाते समय घासपट्टी निवासी सज्जन गुप्ता उर्फ बंटी गुप्ता का 17 वर्षीय पुत्र सक्षम कुमार कोयल नदी में डूब गया था। शुक्रवार को पूरे दिन



परिजन अपने स्तर से सक्षम की खोजबीन की लेकिन सफलता नहीं मिली। इस बीच परिजन शहर थाना, सदर एसडीओ एवं उपायुक्त कार्यालय जाकर एसडीआरएफ टीम बुलाकर सक्षम को ढूँढने की गुहार लगायी लेकिन प्रशासनिक सक्रियता नहीं होने पर शनिवार दोपहर परिजनों का धैर्य जवाब दे दिया और वे धरना-प्रदर्शन पर उतर गए। छहमुहान को हर तरफ से जाम कर दिया। इस क्रम में कई गाड़ियां जाम में फंस गयीं। धरना दे रहे परिजन ने कहा कि घटना के तुरंत बाद सक्षम को ढूँढने के लिए शहर थाना पुलिस

को सूचना दी गयी थी लेकिन मदद नहीं मिली। उन्हें बताया गया कि पुलिस इसमें कोई मदद नहीं कर सकती। उपायुक्त स्तर से इसमें पहल होगी। उपायुक्त के पास जाकर आग्रह किया गया। वहां से जवाब मिला कि मामले को आगे बढ़ा दिया गया है लेकिन शनिवार दोपहर तक एसडीआरएफ की टीम सक्षम को ढूँढने के लिए डालटगंज नहीं पहुंची। परिजनों ने आरोप लगाया कि यदि इसी तरह की घटना किसी बड़े जनप्रतिनिधि या अधिकारी के बच्चे के साथ होती तो क्या इसी तरह का रवैया प्रशासन अपनाता?



हंसगुल्ले

एक छोटा बच्चा दूसरे बच्चे से - अगर दिन को सूर्य न निकला तो क्या होगा?
दूसरे बच्चे ने जवाब दिया - बिजली का बिल बढ़ जाएगा।

•••••

टीचर (मिन्नी से) - आज स्कूल में देर से आने का तुमने क्या बहाना ढूँढा है?
मिन्नी - सर आज मैं इतनी तेज दौड़ कर आई कि बहाना सोचने का मौका ही नहीं मिला।

•••••

मैनेजर ने आने वाले से पूछा - क्या तुम्हें पता नहीं कि आज्ञा के बिना अन्दर आना मना है।
आने वाला - जनाब मैं आज्ञा लेने के लिए ही अन्दर आया हूँ।

•••••

पत्नी - मैंने आज सपनों में देखा है कि तुम मेरे लिए हीरों का हार लाए हो, इस सपने का क्या मतलब है?
पति - आज शाम को बताऊंगा। शाम को पति ने एक पैकेट पत्नी को लाकर दिया। पत्नी ने खुशी-खुशी पैकेट खोला तो उस में एक किताब निकली। किताब का नाम था, सपनों का मतलब।

•••••

नया सिपाही (इंस्पेक्टर से) - सर ये बिलकुल गलत है कि मैं उस चोर से डर गया था।
इंस्पेक्टर - तो तुम उस गाड़ी के पिछे क्यों छिपे थे?
नया सिपाही - जी वह तो मैं कुत्ता देख कर छिपा था।

•••••

अध्यापक - बाबर भारत में कब आया?
बंटी - पता नहीं सर।
अध्यापक - बोर्ड पर नहीं देख सकते, नाम के साथ ही लिखा है।
बंटी - मैंने सोचा, शायद वह उसका फोन नम्बर है।

•••••

एक बहानेबाज कर्मचारी का दादा उस के दफ्तर में जा कर उस के बॉस से बोला- इस दफ्तर में सुनील नाम का व्यक्ति कार्य करता है, मुझे उस से मिलना है, वह मेरा पोता है।

बॉस ने मुस्करा कर कहा - मुझे अफसोस है, आप देर से आए हैं, वह आप की अर्थी को कंधा देने के लिए छुट्टी लेकर जा चुका है।

•••••

सेठानी (नौकरानी से) - क्यों महारानी जी आज आने में इतनी देर क्यों लगा दी?
नौकरानी - सेठानी जी मैं सीढ़ियों से गिर गई थी।
सेठानी - तो क्या उठने में इतनी देर लगती है।

•••••

कंबो शहर की यात्रा

एक दिन कौमी कौआ काफी दिनों बाद अपने गांव आया। गांव में सभी पक्षियों ने उसका खूब स्वागत किया। कौमी में एक आदत थी कि जब भी वह गांव जाता तो अपने सभी दोस्तों के लिए कुछ न कुछ खाने की चीज साथ लेकर जरूर जाता। इस बार वह पिज्जा लेकर गया, जिसका स्वाद चखकर सभी पक्षियों को आनंद आ गया। पिज्जा खाकर कोबू कबूतर बोला- 'भई कौमी, यह तो तू कमाल की चीज लेकर आया है। इसमें जो स्वाद है, ऐसा स्वाद हमने कहीं नहीं चखा। इससे पहले तू पास्ता लेकर आया था। वह भी गजब की चीज थी! वैसे बड़ा मजा आता है शहर में रहने का। वहां अच्छी-अच्छी चीजें मिलती हैं खाने की। अब तो तेरे साथ मैं भी कंबो शहर चलूंगा।' कोबू कबूतर की बात सुनकर कौमी ने हां कहते हुए अपना सिर हिलाया।

कौमी जब भी कंबो शहर से गांव आता तो मैकू मोर उससे कहता कि इस बार तो अपने साथ ले चल। पर कौमी हर बार मैकू को कोई बहाना बनाकर टाल देता था। कौमी मन में



सोचता-इतना भारी-भरकम शरीर है। कंबो शहर में इसका गुजारा करना मुश्किल हो जाएगा। एक तो वहां भीड़भाड़ बहुत है और पेड़ों की कमी है। जो भी पेड़ बचे हैं वो भी एक-एक कर कटते जा रहे हैं। मेरा ही वहां रहना मुश्किल हो रहा है। मैं जिस पेड़ पर रहता हूँ, वह भी किसी दिन कट जाएगा, क्योंकि वहां पर कोई बड़ी बिल्डिंग बनाई जाएगी। मेरा क्या, मैं तो किसी की छत पर फुर्र से उड़कर चला जाऊंगा। किसी रास्ते से भी भोजन उठा लूंगा। पर मैकू मोर ये सब नहीं कर पाएगा। लेकिन कैसे समझाऊं मैकू को। तभी फुदकती हुई गौरी गौरैया आ धमकी। बोली- 'पिज्जा बहुत अच्छा था। अगली बार भी लेकर आना!'

'जरूर लाऊंगा। इससे भी अच्छी चीज लेकर आऊंगा।' कौमी ने कहा।

गौरी गौरैया भी बहुत दिनों से सोच रही थी कि कौमी के साथ कंबो शहर घूमकर आए। हर बार कोई न कोई काम उसे लगा ही रहता था। इस बार वह कौमी के साथ पक्का जाएगी, यह सोचकर कौमी से बोली- 'कौमी भयभीत, आप तो खूब घूमते रहते हैं और हम यहां से कहीं घूमने ही नहीं जा पाते। इस बार हमें भी कंबो घुमाने अपने साथ ले चलो न।' कौमी बोली- 'जरूर ले चलूंगा। तुम्हें तो देखकर वहां लोग बहुत खुश होंगे।'

उधर तारू तोता भी कौमी के साथ चलने के लिए तैयार हो गया। पिछली बार जब कौमी आया था तो उसने वादा किया था कि अगली बार वह तारू को जरूर लेकर जाएगा। कौमी ने कोबू कबूतर, गौरी गौरैया और तारू तोता को अपने साथ ले चलने के लिए तो कह दिया, लेकिन सोच में पड़ गया कि वहां जाकर ये लोग परेशान न हो जाएं। अगले दिन चारों दोस्त तैयार होकर कंबो शहर चल दिए। दिन भर उड़ान भरी और शाम को शहर पहुंच गए। गौरी शरीर में बहुत छोटी थी, इसलिए ज्यादा थक गई। उसे जल्दी से नींद आ गई। अगले दिन सुबह कौमी के साथ वे तीनों दोस्त घूमने के लिए निकले। पूरे शहर का चक्कर लगाया। ऊंची-ऊंची बिल्डिंग, हर जगह भीड़-भाड़ और शोर-शराबा। इस तरह का माहौल उन्होंने कहीं नहीं देखा था। कौमी जहां रहता था, वहीं थोड़ी-बहुत हरियाली थी। उसके पास में रिहायशी इलाका था और उससे आगे काफी दूर तक बहुत सारी फैक्टरी थीं। दूसरे दिन कौमी को अपने काम पर जाना था। उसने दोस्तों से कहा कि आज तुम लोग खुद घूमो। तीनों दोस्त पास के रिहायशी इलाके में घूमने चल दिए। गौरी गौरैया एक मकान की छत पर चली गई। उस छत पर कई छोटे-छोटे बच्चे खेल रहे थे। उन्होंने छोटी गौरैया को देखा तो बहुत खुश हुए। मौन ने पहली बार इतनी छोटी गौरैया को देखा था। उसने तुरंत अपनी मम्मो को आवाज लगाई- 'मॉम, देखो हमारी छत पर कितनी छोटी चिड़िया आई है।' मॉम तुरंत दौड़कर आई और बोली- 'यह चिड़िया तो यहां दिखाई ही नहीं देती है, कई सालों पहले देखी थी। इसके लिए एक बर्तन में पानी लाओ और कुछ खाने को दो। कितनी सुन्दर चिड़िया है ये! मौन तुरंत एक बर्तन में पानी भरकर ले आया। साथ में कुछ ब्रेड, बिस्किट के टुकड़े लाया और उसके सामने रख दिए और मम्मो के साथ दूर जाकर खड़ा हो गया। गौरी ने फुदक-फुदक कर बिस्किट और ब्रेड खाए और पानी पीकर उड़ गई।

उधर कोबू कबूतर घूमने निकला तो उसे एक स्थान पर बहुत सारे कबूतर दिखाई दिए, जो वहां पड़े अनाज को खा रहे थे। कोबू भी उनमें जा मिला और खूब छक कर अनाज खाया। तारू तोता भी वहां इधर-उधर घूमा। घरों की छतों पर खूब चक्कर लगाए। वहां कुछ खाने का भी सामान मिला, लेकिन फल खाने को नहीं मिले, क्योंकि वहां फलों के पेड़ ही नहीं थे। उसे प्यास लगी, तो पास में ही नाली में गंदा पानी बह रहा था। प्यास सहन न होने की वजह से उसे वही पानी पीना पड़ा। पानी पीकर उसे चक्कर आने लगे। वह पास की ही छत पर उड़ते हुए गिर पड़ा। छत पर एक बच्चा खेल रहा था। उसने अपनी मॉम को बुलाया तो उन्होंने उसे पकड़कर थोड़ी देर छाया में रखा, उसके बाद उसे पानी पिलाया। थोड़ी देर में होश आने के बाद वह उड़ गया और कौमी के घर आ गया। कौमी को जब यह बात पता लगी तो बहुत दुखी हुआ। उसने तीनों दोस्तों से कहा कि कोई भी नाली का पानी न पीए। यह बहुत खतरनाक है। शहर में कहीं साफ पानी दिखाई ही नहीं देता था सिवाय नाली और नालों के। छतों पर पक्षियों के प्रति दयालु लोग ही पानी रख देते हैं।

तीन-चार दिन कौमी के दोस्त खूब घूमे-फिरे, लेकिन उन्हें वहां रहकर संतुष्टि नहीं हुई। वह कौमी से वापस अपने गांव जाने की बात कहने लगे। कौमी ने कहा, दोस्तों, कुछ दिन और रहो। लेकिन तीनों घूम-घूम कर और वहां के वातावरण को देखकर परेशान हो गए थे। गांव में तो वे बहुत दूर-दूर तक घूमने चले जाते थे। साफ पानी की वहां कमी नहीं थी, जगह-जगह नहर व तालाब आदि थे। फलों की कोई कमी नहीं थी। बाग-बगीचे बहुत थे, पर शहर में ये सब कहाँ? चारों तरफ मकान ही मकान थे और जगह-जगह गंदगी युक्त नालियों में बहुता हुआ पानी। खैर, एक दिन कौमी के साथ तीनों दोस्त अपने गांव वापस आ गए। गांव आकर उन्होंने राहत की सांस ली। जब उन्होंने कौमी से पूछा कि दोस्त तुम वहां ऐसे वातावरण में कैसे रह लेते हो, तो कौमी कहता-व्या कर, हमें तो वहां की आदत हो गई है। जो जहां रहता है, उसे वही की आदत पड़ जाती है।

हवाई जहाज की कहानी

दोस्तों, आसमान में ऊंची उड़ान भरते हवाई जहाज को तुमने कई बार देखा ही होगा। पर क्या तुम यह जानते हो कि इसे कब बनाया था और किसने बनाया था? आखिर किसके मन में इसे बनाने का ख्याल आया था। इसे बनाने के पीछे क्या प्रेरणा थी? नहीं पता, कोई बात नहीं। आज हम तुम्हें बताते हैं हवाई जहाज का इतिहास।

इसे सबसे पहले बनाया था राइट ब्रदर्स ने। विल्वर और ओरविल में केवल चार साल का अंतर था। जिस समय उन्हें हवाई जहाज बनाने का ख्याल आया, उस समय विल्वर सिर्फ 11 साल का था और ओरविल की उम्र थी 7 साल। हुआ यूं कि एक दिन उनके पिता उन दोनों के लिए एक उड़ने वाला खिलौना लाए। यह खिलौना बांस, कॉर्क, कागज और रबर के छल्लों का बना था। इस खिलौने को उड़ता देख विल्वर और ओरविल के मन में भी आकाश में उड़ने का विचार आया। उन्होंने निश्चय किया कि वे भी एक ऐसा खिलौना बनाएंगे।

इसके बाद वे दोनों एक के बाद एक कई मॉडल बनाने में जुट गए। अंततः उन्होंने जो मॉडल बनाया, उसका आकार एक बड़ी पतंग सा था। इसमें ऊपर तख्ते लगे हुए थे और उन्हीं के सामने छोटे-छोटे दो पंखे भी लगे थे। जिन्हें तार से झुकाकर अपनी मर्जी से ऊपर या नीचे ले जाया जा सकता था। बाद में इसी यान में एक सीधी खड़ी पतवार भी लगाई गई। इसके बाद राइट भाइयों ने अपने विमान के लिए 12 हॉर्नपॉवर का एक पेट्रोल इंजन बनाया और इसे वायुयान की निचली लाइन के दाहिने और निचले पंख पर फिट किया और बाईओर पायलट के बैठने की सीट बनाई। राइट बंधुओं के प्रयोग काफी लंबे समय तक चले। तब तक वे काफी बड़े हो गए थे और अपने विमानों की तरह उनमें भी परिपक्वता आ गई थी। आखिर में 1903 में 17 दिसम्बर को उन्होंने अपने वायुयान का परीक्षण किया। पहली उड़ान ओरविल ने की। उसने अपना वायुयान 36 मीटर की ऊंचाई तक उड़ाया। इसी यान से दूसरी उड़ान विल्वर ने की। उसने हवा में लगभग 200 फुट की दूरी तय की। तीसरी उड़ान फिर ओरविल ने और चौथी और अन्तिम उड़ान फिर विल्वर ने की। उसने 850 फुट की दूरी लगभग 1 मिनट में तय की। यह इंजन वाले जहाज की पहली उड़ान थी। उसके बाद नए-नए किस्म के वायुयान बनने लगे, पर सबसे उड़ने का सिद्धांत एक ही है।



सच्चे सुख की प्राप्ति

एक बार स्वामी रामदास जी भिक्षा मांगते हुए किसी घर के सामने खड़े हुए और उन्होंने आवाज लगाई 'रघुवीर समर्थ! घर की स्त्री बाहर आईं। उसने उनकी झोली में भिक्षा डाली और कहा, महात्मा जी कोई उपदेश दीजिए। स्वामी रामदास जी बोले, आज नहीं कल दूंगा। दूसरे दिन स्वामी रामदास जी ने पुनः उस घर के सामने आवाज लगाई 'रघुवीर समर्थ! उस घर की स्त्री ने उस दिन खीर बनाई थी। वह खीर का कटोरा लेकर बाहर आईं। स्वामी जी ने अपना कमंडल आगे कर दिया। वह स्त्री जब खीर डालने लगी तो उसने देखा कि कमंडल में कूड़ा भरा है। उसके हाथ ठिठक गए वे बोली, महाराज कमंडल तो गंदा है। स्वामी रामदास जी बोले, हां गंदा तो है किंतु खीर इसमें डाल दो। स्त्री बोली, नहीं महाराज तब तो खीर खराब हो जाएगी। कमंडल में मैं धो लाती हूँ। स्वामी जी बोले, मतलब जब कमंडल साफ होगा तभी खीर डालोगी। स्त्री बोली, जी महाराज स्वामी जी बोले, मेरा भी यही उपदेश है। मन में जब तक चिंताओं का कूड़ा करकट और बुरे संस्कार रूपी गोबर भरा है। तब तक उपदेशामृत का कोई लाभ नहीं होगा। यदि उपदेशामृत प्राप्त करना है तो प्रथम अपने मन को शुद्ध करना चाहिए, कुसंस्कारों का त्याग करना चाहिए, तभी सच्चे सुख और आनंद की प्राप्ति होगी। मन साफ हो स्वच्छ हो तभी वह आनंद की अनुभूति कर सकता है।

सफलता के रास्ते

एक गरीब युवक अपनी गरीबी से परेशान होकर अपना जीवन समाप्त करने नदी पर गया। वहां एक साधु ने उसे ऐसा करने से रोक दिया। साधु ने युवक की परेशानी को सुन कर कहा कि, मेरे पास एक विद्या है। जिससे ऐसा जादुई घड़ा बन जाएगा तुम जो भी इस घड़े से मांगोगे वह पूरा हो जाएगा, पर जिस दिन यह घड़ा फूट गया, उसी समय जो कुछ भी इस घड़े में तुम्हें दिया है वह सब गायब हो जाएगा। अगर तुम मेरी 2 साल तक सेवा करो तो ये घड़ा मैं तुम्हें दे सकता हूँ और अगर 5 साल तक तुम मेरी सेवा करो तो मैं ये घड़ा बनाने की विद्या तुम्हें सिखा दूंगा। बोलो तुम क्या चाहते हो ? युवक ने कहा, महाराज मैं तो 2 साल ही आप की सेवा करना चाहूंगा। मुझे तो जल्द से जल्द बस ये घड़ा चाहिए मैं इसे बहुत संभाल कर रखूंगा कभी फूटने ही नहीं दूंगा। इस तरह 2 साल सेवा करने के बाद युवक ने वो जादुई घड़ा प्राप्त कर लिया और अपने घर पहुंच गया। उसने घड़े से अपनी हर इच्छा पूरी करवानी शुरू कर दी। महल बनवाया, नौकर चाकर मांगे आदि। सभी को अपनी शान शौकत दिखाने लगा, सभी को बुला-बुला कर दावतें देने लगा और बहुत ही विलासिता का जीवन जीने लगा। उसने शराब भी पीनी शुरू कर दी और एक दिन नशे में घड़ा सिर पर रख नाचने लगा और टोकर लगने से घड़ा गिर गया और फूट गया। घड़ा फूटते ही सब कुछ गायब हो गया। अब युवक सोचने लगा कि, काश! मैंने जल्दबाजी न की होती और घड़ा बनाने की विद्या सीख ली होती। तो आज मैं फिर से कंगाल न होता।

याद रखो... ईश्वर हमें हमेशा दो रास्तों पर रखता है एक आसान, जल्दी वाला और दूसरा थोड़ा लम्बे समय वाला पर गहरा ज्ञान वाला। ये हम पर निर्भर करता है कि हम किस रास्ते पर चलें। कोई भी काम जल्दी में करना अच्छा नहीं होता बल्कि उसके विषय में गहरा ज्ञान आपको अनुभवी बनाता है।

Global Pact for the Future mired in ambivalence

THE Summit of the Future, to be held in New York on September 22-23, originated as a response to concerns about the derailment of the implementation of the UN's Agenda 2030 on Sustainable Development with its 17 Sustainable Development Goals (SDGs). In September 2023, the UN's SDG Summit attributed 'numerous crises' for this derailment. Since the 75th anniversary of the UN in 2020, India has taken the lead in calling for 'reformed multilateralism' to respond to the crisis facing international institutions. Stressing that these challenges needed a 'human-centric' response, India participated in the inter-governmental process launched by the UN General Assembly (UNGA) in February 2023 to draft an outcome document titled the 'Pact for the Future' (PFTF). The negotiations, co-facilitated by Germany and Namibia (representing the developed Global North and the developing Global South, respectively), call for a "new beginning in multilateralism". The PFTF attaches a Global Digital Compact and a Declaration on Future Generations as proof of its future-looking orientation. In policy terms, the emphasis that no single country can substitute for the collective impact of international cooperation, required to respond to the crises facing the world, is well-timed. The PFTF reiterates a "recommitment to international cooperation based on respect for international law". This highlights the predominance of the treaty framework of the UN Charter over 'rules' drawn up by informal plurilateral groupings.

The PFTF begins with sustainable development issues, vindicating the stand taken by India and developing countries of the Global South that sustainable development is the "central objective of multilateralism". However, while the document devotes considerable space to reiterating existing commitments to the SDGs, its specific recommendations on responding to the crises facing Agenda 2030 are limited.

The PFTF highlights the impact of an SDG Stimulus to generate the necessary finances for sustainable development. It endorses the localisation of SDGs to maximise a whole-of-society ground-up approach to sustainable development. The Fourth International Conference on Financing for Development to be held in Spain in July 2025 is expected to integrate the SDG Stimulus in its outcome, while the Second World Summit for Social Development to be held in Qatar in November 2025 will do likewise for the localisation of SDGs. Outsourcing these initiatives to ongoing inter-governmental processes, which have their own dynamics, may or may not produce time-bound outcomes. The impression that despite holding a Summit to respond to the crisis, it will still be "business as usual" in the UN, is based on specific timelines in the PFTF. The next milestone to recommend action on Agenda 2030 is the July 2027 annual meeting of the UN's High-Level Political Forum, which has looked deeply into implementation of SDGs on an annual structured basis since July 2016. This is to be followed by a UNGA Summit in 2027 on the future of Agenda 2030, and a Review Summit of the PFTF in September 2028. Adding to this ambivalence is the proposal for the UN Secretary-General, through experts appointed by him, to suggest how to "go beyond GDP" in measuring implementation of the SDGs. This potentially makes implementation of Agenda 2030 a self-sustaining open-ended enterprise, substituting statistical analysis for ground-based action by UN member-states. The fracturing of the UN's political framework has led to the mushrooming of armed conflicts and confrontational unilateral responses. This has increased pressures on implementing Agenda 2030. An ineffective UN Security Council (UNSC), mandated by the Charter to maintain international peace and security, requires urgent reform to respond to the crisis.

Fairly or unfairly, judges are being judged

TRYSTS AND TURNS: No reason to criticise the CJI's invite to PM if there was no hidden agenda

I have a soft corner for Justice Dhananjaya Yeshwant Chandrachud, the Chief Justice of India (CJI). He was my daughter's classmate at Mumbai's Cathedral and John Connon School for a short period. But that is not the reason for the affinity which is often tested when my friends criticise some of his judgments. My sympathies have much deeper roots — his father, Justice YV Chandrachud, who also served as the CJI, was one of my mentors in my student days. I will not dare to advise the son, now that he occupies the highest judicial post in our country. Even the fact that he is a good 30 years younger than me gives me no right to preach.

His father was my teacher at Government Law College (GLC), Mumbai, where I studied from 1948 to 1950. The Chandrachud family's ancestral home was in Pune, where I happened to be posted as that city's last Superintendent of Police in 1964. It was upgraded to a Police Commissionerate in 1965, but in the one year that I led the city's police force, Justice YV Chandrachud visited his home in Pune thrice. He was the Chief Justice of the Bombay High Court at that time. That fact did not deter him from visiting an old pupil. My office happened to be midway between his ancestral home and the Pune railway station. Each time that happened, the entire clerical staff of my office would stop work to get a glimpse of the state's highest judicial authority. On one of those visits, Justice JR Vimadlala, another of my teachers at the GLC, accompanied him. My appointment as the Superintendent of the Pune city police at a comparatively junior stage had displeased many senior colleagues but gladdened the hearts of two of my teachers who had been raised to the Bench from the Bar. Their visits are etched in my memory. And when the senior Chandrachud himself became the CJI some years later, I had sufficient cause to experience vicarious pride. My readers will now understand why I wince when my old teacher's son, who has also risen to occupy the CJI's chair, is sometimes justly, but often unjustly, criticised by my liberal friends.

The present CJI's gesture of inviting Prime Minister Narendra Modi to his official residence to participate in the aarti of Maharashtra's favourite deity Ganesha has attracted flak. Personally, I see no harm in the gesture. There is no reason to discard social contact if it has no hidden agenda. I am sure past Chief Justices had invited Prime Ministers or senior politicians to their homes. The problem arose this year because unnecessary publicity was accorded to what should have been a private occasion. The question arises: Who gave the aarti photographs to the media? If it was not the Chief Justice, I see no fault in him. If it is the Prime Minister's well-oiled propaganda cell, that would be par for the course. And in that case, the CJI cannot be pilloried. If, however,



the Chief Justice or his staff did distribute the photos among the media, the intelligentsia would be justified to ascribe motives and my tongue would then be tied. I do hope that the culprit is not my revered teacher's son or his administrative establishment. Another Supreme Court judge from Maharashtra who was in the news recently, albeit for positive reasons, was Justice BR Gavai. His Bench examined the complaint against "bulldozer justice", which needs to be strictly restricted lest the 'rule of law' is sent for a toss. Bulldozers can be used for demolishing illegally built structures. Before municipal officers use them, procedures have to be followed. If they are not followed, the entire exercise is patently unlawful.

There has been much criticism, mostly justified, of parties to unauthorised construction taking advantage of the judicial process to delay the use of the bulldozer. The remedy lies not in abandoning the procedures but for the high courts instructing the judicial magistrate's court not to give leeway to lawyers attempting to delay the due process. Justice Ujjal Bhuyan is another Supreme Court judge who did the judiciary proud recently. In the matter of Arvind Kejriwal's bail, he lambasted the CBI for not stepping out of the 'parrot's cage' even after its Director was chosen under the new arrangement that permitted him or her to ignore irregular verbal orders of the

political establishment. Of course, he or she will not be offered a post-retirement sinecure. But that is a small price to pay for a clear conscience and self-respect.

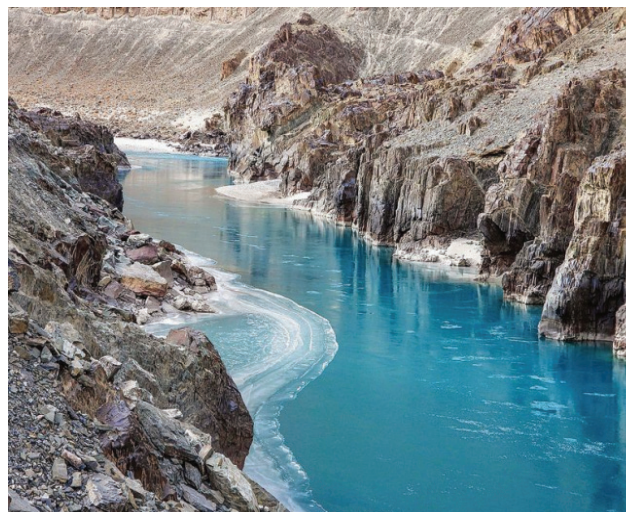
The arrest of then Delhi Chief Minister in June was patently an attempt to keep him incarcerated for a prolonged period. He had been granted interim bail in May in the case registered by the Enforcement Directorate. That bail order was not to the government's liking! So, it did appear that the CBI helped to ensure that Kejriwal would be kept away from the political arena for a few more months. The timing was too convenient for the public to ignore. Kejriwal started off as a crusader against corruption. As a crusader, he made his mark. If he had continued as a crusader, he would have been a resounding success. Besides being useful to the people, he would have been assured of their respect. By deciding to abandon Anna Hazare and enter the political arena, he ventured into dangerous territory, one that he had fought against. He soon learnt that political parties cannot exist without funding. One of his present bugbears, the BJP, managed very cleverly with electoral bonds. Once the apex court frowned on the system because of its opacity, that party, too, went back to traditional methods. The BJP can go after other parties that follow such known (and unfortunately accepted) methods because it is today in the driver's seat.

Save Indus treaty

India, Pak must prioritise water security

THE landmark Indus Water Treaty (IWT), which has survived India-Pakistan wars and diplomatic tensions over the past 64 years, finds itself at a crossroads today. India has served a notice on its neighbour, seeking a review and modification of the treaty in view of 'fundamental and unforeseen changes in circumstances that require a reassessment of obligations'. Since January 2023, New Delhi has repeatedly written to Islamabad to initiate talks on revising the World Bank-brokered treaty, but all this has merely been water off a duck's back. Pakistan, which red-flagged its water crisis during a UN Security Council meeting in February this year, is banking on the Permanent Court of Arbitration at The Hague to resolve the festering dispute over water-sharing.

River waters know no boundaries. Considering their mutual reliance on this precious natural resource, the two nations must realise that the IWT's survival is integral to ensuring regional water security. Intransigence and one-upmanship have made a bilateral settlement elusive. India



has unreasonably indicated that there will be no more meetings of the Permanent Indus Commission, which

includes officers from both nations, till the two governments discuss the renegotiation of the treaty. This 'Big Brother' approach may prove to be counterproductive as Pakistan has managed to internationalise the issue and is portraying India as the uncooperative party. The established dispute resolution mechanism — which has the provision for neutral experts as well as the arbitration court — should be honoured by both countries. Every effort must be made to keep the IWT alive and relevant.

Amid its muscle-flexing over the Indus treaty, India must not lose sight of the Brahmaputra basin, which lacks a water management framework. This major river system has India, China and Bangladesh among the stakeholders. Delhi must keep a close eye on China's proposed Great Bend Dam, which is expected to expand the country's capacity to store and withhold/release water. Beijing's 'upper riparian' status should not deter Delhi from insisting on multilateral cooperation.

Pakistan's worsening internal security a concern for India

Pakistan's growing relations with China have adverse implications for India. It needs to remain vigilant against this nexus.

Pakistan is in the news again for all the wrong reasons, with its internal security in a shambles. It is facing unprecedented terrorist violence — the chickens have come home to roost. Former Prime Minister Imran Khan, languishing in Adiala Jail in Rawalpindi since August last year, allegedly on trumped-up charges, has compared the worsening situation in Pakistan to circumstances which prevailed during former military dictator Gen Yahya Khan's rule. Imran lamented that the country's institutions were being destroyed systematically. It was during Gen Yahya Khan's tenure that Pakistan was split into two nations, as Bangladesh (former East Pakistan) came into existence. Imran has accused PM Shehbaz Sharif of being a 'tout' who is taking orders from the Army. The former PM has been continually blaming the judiciary's timidity for not giving him justice. He has also questioned the Pakistani establishment for incarcerating Khyber Pakhtunkhwa Chief Minister Ali Amin Gandapur, terming the situation in that restive province as 'scary'. Earlier this month, Imran's party, Pakistan Tehreek-e-Insaf (PTI), held a massive rally demanding his release. The establishment reportedly employed strong-arm tactics, including arresting some top PTI leaders. The PTI is majorly concerned about reports that Imran may be tried by a military court. The head of the Army's press wing has hinted that "under military law, any individual who uses military personnel, for personal or political gain, and if there is evidence, will face legal consequences". It was a clear reference to the unrest on May 9 last year when PTI supporters had allegedly targeted military installations and state buildings. Imran has moved

the Islamabad High Court to pre-empt any move against him by the establishment.

Meanwhile, Imran has himself suggested 'conditional talks' with the Army. However, the main conditions cited for these talks are "clean and transparent elections" and the dropping of 'bogus' cases against his supporters. The Army has not yet responded to his proposal. Shehbaz, as expected, has ridiculed Imran's offer for talks. Marriyum Aurangzeb of the ruling Pakistan Muslim League-Nawaz (PML-N) has also criticised Imran, stating that "the self-proclaimed revolutionary who used to say that he won't ask for forgiveness, has come down to pleading to the armed forces to talk to him." Overall, Imran remains the most popular political leader in Pakistan, much to the discomfiture of his political opponents and the Army. And if any extreme measure is directed against him, Pakistan, perhaps, will be thrown into unprecedented violence and anarchy. The situation is going from bad to worse in Pakistan's largest province, mineral-rich Balochistan. It has had a strong separatist rebellion movement festering for decades. The Pakistani establishment has been employing harsh measures to quell this movement, and able-bodied men disappearing from villages in Balochistan has been a regular feature. In order to quell this independence upsurge, the Pakistani security forces have violated the human rights protocol, employing their infamous "kill and dump policy". Despite Balochistan contributing the maximum to Pakistan's coffers, it remains its most impoverished province.

Islamabad's assistance to China in the construction and operation of the China-Pakistan Economic Corridor

(CPEC) and the leasing of the Gwadar Port to Beijing in Balochistan has only added fuel to the fire as the self-respecting Baloch people do not appreciate foreigners and even non-Balochis from other parts of Pakistan getting better economic opportunities than the locals. Consequently, the Baloch National Army



and other insurgents are perpetrating targeted killings of labourers, drivers and other non-Balochis coming to Balochistan for work. These insurgents have even targeted Chinese engineers working on the CPEC. On August 25-26, Baloch insurgents killed nearly 70 Pakistanis in four incidents. That some of these killings took place close to the Punjab border indicated the audaciousness of Baloch insurgents. Also, it was not a coincidence that these attacks were carried out on the 18th death anniversary of charismatic Baloch royal Nawab Akbar Khan Bugti,

who was murdered by the ISI in 2006. Moreover, the pro-Pashtun terror outfit, Tehrik-e-Taliban Pakistan, has reportedly joined hands with Baloch insurgents to target Pakistani state assets, including its security apparatus. Meanwhile, apart from the complex and deteriorating internal security situation of Pakistan, its economic health is in the doldrums, to say the least. Pakistan's debt, fiscal deficit, generation of internal wealth — all are in an alarming condition. Recently, PM Shehbaz Sharif visited Saudi Arabia, the UAE and Turkey to obtain low-interest loans to service its external debts and have a modicum of reserves within the nation to fulfil its inescapable financial obligations.

Importantly, Pakistan's security situation and its ever-growing multifaceted relations with China have adverse implications for India. Thus, India needs to remain ever-vigilant apropos of the China-Pakistan nexus. Pakistan Army chief Gen Syed Asim Munir has an anti-India reputation. No wonder, over the past year, infiltration attempts in J&K, especially now in the hitherto peaceful region of South Kashmir, and targeting of Indian Army installations are on the rise. Since last month, events in Bangladesh leading to the ouster of its pro-India PM Sheikh Hasina and her Awami League government and the rapid transition to a highly radicalised environment in that country have made things challenging for India. The possibility that Pakistan and China will fish in troubled waters on India's eastern flank as well cannot be discounted. India, thus, has to remain vigilant and enhance its security preparedness to counter any mischief from its adversaries.

Indian Markets See Renewed Buying After Fed Rate Cut, Bullish Momentum To Continue

Mumbai. After a sideways start, the Indian benchmark indices gained momentum this week after a surprise 50 bps rate cut by the US Fed Reserve, as Sensex crossed 84,000 for the first time and Nifty hit a new all-time high. As per market watchers, the apprehension of a slowdown in growth was eased slightly after the lower-than-expected US jobless claim and data pointed to a soft landing of the US economy at the start of the rate cut cycle. The ongoing bullish momentum is like to take Nifty towards 25,900-26,000 levels. On the upside, 26,000 will act as an immediate hurdle for Nifty.

"On the downside, 25,500 will serve as an immediate support for Nifty followed by 15-DEMA support, which is placed near 25,300 levels. As long as Nifty stays above 25,600, a 'Buy on Dips' strategy is advisable for traders," said Hrishikesh Yedve from Asit C Mehta Investment Intermediates. Following the Fed's rate cut, Indian markets have seen renewed buying interest, particularly in sectors that had previously experienced selling pressure. "The resilience of the Indian markets is providing additional strength to the rupee. Key support levels for the rupee are seen at 83.60-83.65, while resistance lies in the range of 83.40-83.30," said Jateen Trivedi from LKP Securities. The rupee traded positively with gains of 0.10 at 83.53, supported by continued weakness in the dollar index, which is trading at 52-week lows. Analysts saw a sectorial rotation among investors to large caps, especially in consumption, staples, auto, finance, and reality.

In the short term, investors are being cautious on export-oriented sectors like pharma and IT due to depreciation in the dollar, they added. Gold traded very positively, reaching an all-time high in Comex above \$2,610, driven by strong liquidity inflows from the US Fed following a significant rate cut.

Vivad se Vishwas 2 to come into effect from October 1

NEW DELHI. The Vivad se Vishwas scheme will come into effect on October 1, 2024, the finance ministry said in a notification. The scheme will provide taxpayers with an opportunity to settle ongoing tax disputes.

The new initiative follows the positive feedback received from the first tranche of the scheme, which was launched in 2020. "The central government hereby appoints the 1st day of October 2024 as the date on which the Direct Tax Vivad Se Vishwas Scheme 2024 shall come into force," the notification said.

The initial 'Vivad se Vishwas' scheme saw about 1 lakh taxpayers participating, resulting in the government collecting nearly Rs 75,000 crore in taxes. As per Karishma R Phatarphekar, Partner, Deloitte India, with tax payment rates set to increase by 10% starting January 1, 2025, it is crucial for companies to evaluate their pending income tax litigations from both a cost-benefit standpoint and a broader non-tax perspective.

SC asks SpiceJet to return three engines to lessors



NEW DELHI. In a setback for SpiceJet, the Supreme Court on Friday in its order upheld the Delhi High Court's decision and directed SpiceJet to ground and return three aircraft engines to their lessors, following the airline's failure to comply with a previous order regarding payment. SpiceJet is reported to owe about USD 6.09 million to its lessors. Refusing to modify the HC's order, the apex court reiterated that the order explicitly outlines the consequences of non-payment, which includes grounding the aircraft. "We see no reason to interfere with the high court order," the Supreme Court's three-judge bench, led by CJI D Y Chandrachud, observed.

Earlier, the HC on September 11 held that the carrier had violated an agreed interim arrangement for payment of dues and upheld an order of a single-judge bench asking the low-cost airline to ground the three engines for defaulting on the payments.

A SpiceJet spokesman said it is in talks with the aircraft lessor to reach an amicable settlement. 2 of the 3 engines in question are already grounded, and our operations remain completely normal and unaffected," it said.

IT cos returning to campuses after gap year

BENGALURU. IT companies are resuming their campus recruitment drives after a nearly year-long hiatus amid signs of revival in business. IT firms are tapping into these colleges for skilled programmers and digital specialists who command salaries in the range of Rs 6 to 9 lakh, rather than entry-level roles where salaries are much lower.

Companies such as IBM, Infosys, TCS, and LTIMindtree have visited campuses for an initial phase of placements, which began in July. While TCS has said it will hire 40,000 freshers, Infosys has planned to recruit 15,000 to 20,000 fresh graduates from colleges and through off-campus drives. In FY24, Infosys had 11,900 campus recruits in the 2023-24 financial year, a 76% drop compared to the 50,000 freshers it hired in the year-ago period.

"After a break of one year, we will return to the campuses with which we have partnerships. Additionally, we will look at off-campus hiring to onboard the same number for next year as well," Wipro HR head Saurabh Govil said.

India to take retaliatory measures against EU's safeguard duty on steel

For India, these safeguard measures have been costly. India estimates that its steel exports to the EU have faced a cumulative trade loss of USD 4.412 billion from 2018 to 2023.

NEW DELHI. India is likely to impose higher import duty on specific goods from the European Union (EU) in retaliation to the EU's extension of safeguard duties on 26 steel items, significantly impacting India's steel exports. The safeguard duty will remain in place until June 2026. India's steel industry is already struggling with cheap imports from China and is facing challenges in meeting the requirements of the EU's Carbon Border Adjustment Mechanism (CBAM), set to take effect in January 2026. The EU's safeguard

measures, which have been in place since 2018 have drastically reduced India's export volumes to the EU, causing significant financial losses.

According to Ajay Srivastava, founder, Global Trade Research Initiative (GTRI), the EU's safeguard measures are designed to protect its domestic steel industry from an oversupply of cheaper imports. These measures apply to 26 categories of steel products, including non-alloy and alloy hot-rolled sheets, cold-rolled sheets, metallic coated sheets, organic coated sheets, and other key steel products. The EU has established import quotas for each steel product by country, with in-quota imports facing a 0% duty. However, once imports exceed the quota, an out-of-quota duty of 25% is imposed. The quota amounts vary depending on the product category and the exporting country. For India, these safeguard measures have been costly. India estimates that its steel exports to the EU have faced a cumulative trade loss of



USD 4.412 billion from 2018 to 2023. In this period, the EU has collected duties amounting to USD 1.103 billion on Indian steel exports. In response, India has notified the World Trade Organization (WTO) on 17 September 2024 of its intention to take retaliatory action under Article 12.5 of the Agreement on Safeguards. According to GTRI, India's proposed action involves suspending trade concessions on selected

EU products, with plans to raise tariffs on these imports. The tariff increases will be proportional to the trade losses incurred due to the EU's safeguard measures and may be adjusted in response to future developments. India's response comes after the EU extended its safeguard measures, which were originally set to expire in June 2024, for an additional two years until June 2026. India had earlier imposed retaliatory tariffs on imports from the United States on 16 June 2019 after the US imposed tariffs on Indian steel and aluminium. The US had imposed a 25% tariff on steel and a 10% tariff on aluminium imports from several countries, including India, citing national security concerns. In retaliation, India raised tariffs on 28 U.S. products, including almonds, apples, walnuts, chickpeas, and certain chemicals. India's retaliatory tariffs were aimed at offsetting the impact of the U.S. tariffs on Indian steel and aluminium exports.

Anil Ambani invests Rs 1,100 crore in Reliance Infrastructure

NEW DELHI. Promoters Anil Ambani and family have invested Rs 1,104 crore in the Rs 3,014 crore preferential share issue of Reliance Infrastructure. Ambani and his family, which holds 21.34% in the company has made the investment through Risee Infinity Private Limited. Risee will subscribe to 4.60 crore shares of Reliance Infrastructure. The other major investors, which subscribed the preferential issue include Fortune Financial & Equities Services, which invested Rs 1,058 crore by subscribing to 4.41 crore equity shares. Florintree Innovations will invest Rs 852 crore for 3.55 crore shares. The Board of Directors of Reliance Infrastructure on Thursday approved raising of Rs 3,014 crore by preferential issue of up to 12.56 crore equity shares and /or warrants



convertible into equity shares at a price of Rs 240 per Share/warrant.

The issue will enhance the promoters' equity stake. The board approved seeking enabling authorisation from the shareholders to raise up to Rs 3,000 crore by making a qualified institutional placement (QIP).

The issue proceeds would be utilised for the expansion of business operations and for general corporate purposes. In a

The board approved seeking enabling authorisation from the shareholders to raise up to Rs 3,000 crore by making a qualified institutional placement (QIP).

statement, it said the issue will enhance the company's net worth from over Rs 9,000 crore to over Rs 12,000 crore. The company has near zero debt.

"The enanced capital will support the company's participation in high growth sectors to aid the Government's vision of 'Make In India' and Viksit Bharat," says the company.

PhysicsWallah raises USD 210 million, valuation jumps 2.5x to USD 2.8 billion

The funding for the company comes at a time when it expects to become profitable in the financial year 2025.

NEW DELHI. Edtech firm PhysicsWallah said on Friday it has raised USD 210 million in a funding round led by Hornbill Capital at a 2.5 times higher valuation of USD 2.8 billion. Lightspeed Venture Partners, along with existing investors GSV and WestBridge, also participated in the funding round. The company at the end of its previous funding was valued at USD 1.1 billion. "PhysicsWallah's funding round serves as a beacon of optimism



amidst challenging times for the edTech sector, showcasing the unwavering confidence of both existing and new investors in PhysicsWallah's growth and its mission to democratise education across India," the company said. The funding is expected to bolster PW

cash reserves to support its future growth plans, it said. The company plans to utilise the fresh funds to strategically scale operations, with a key focus on consolidation in the education market. "Prateek and I are excited to partner with Hornbill Capital and Lightspeed Venture Partners in this journey, and we deeply appreciate the continued trust from WestBridge and GSV," PhysicsWallah Founder and CEO Alok Pandey said.

The funding for the company comes at a time when it expects to become absolutely profitable in the financial year 2025. "This new round of funding will enable us to expand our reach, enhance our technological capabilities, and continue delivering unparalleled learning experiences," PhysicsWallah, Co-founder, Prateek Maheshwari said.

Household spends expected to grow faster, says RBI

The central bank points towards increased hiring activities across sectors ahead of festive season.

NEW DELHI. Household consumption is all set to grow faster in the second quarter amid easing retail inflation, and a revival in rural demand, the RBI said on Friday in its Monthly Bulletin for September. Retail inflation in July and August remained below 4% (3.6% in July and 3.65% in August), even if it showed slight uptick in the latter month. As per the RBI bulletin, the demand for fast-moving consumer goods (FMCG) is also accelerating as companies target older customers with healthy lifestyle products in response to rising longevity and affluence and younger ones with premiumisation. The central bank points towards increased hiring activities across sectors ahead of festive season. This, it says, is also likely to push up consumption. E-commerce majors have ramped up hiring ahead of the festival season, not just in the

metros but in tier 2 and 3 cities as well. Logistics hiring is also rising to support increased transportation, warehousing and delivery activities. Citing a Team Lease Services report, RBI says 62% companies across telecom, internet service providers and allied industries intend to expand their workforce in this year. The RBI blamed the marginal increase in inflation in August to an unfavourable base effect of around 5 bps while the index remained unchanged at the previous month's level (zero momentum). However, it said that headline CPI inflation coming below the Reserve Bank's target for the second consecutive month in August is a positive development. Though it sounded cautious as some vegetable price shocks have begun to reverse, and an unfavourable base effect may haunt the September inflation number. The RBI report attributes the robustness in private investment to capital investments made towards energy transition. "...energy transition has accelerated in recent years, with the pace of clean technology deployment and capital investment surging to record levels," says the report.

Increased hiring activities across sectors
The central bank points towards increased hiring activities across sectors ahead of festive season.



Vi to go ahead with expansion, fundraising plan

NEW DELHI. Vodafone Idea (Vi) on Friday announced that its equipment deals with vendors for the expansion of its 4G and 5G network infrastructure are in the final stages and go ahead with its plan to raise Rs 45,000 crore from the market through equity and debt.



The statement comes in light of the Supreme Court's dismissal of the telcos' petitions seeking a re-computation of adjusted gross revenue (AGR) dues. Following the court's decision, Vodafone Idea is now liable to pay nearly Rs 70,000 crore in AGR to the Department of Telecommunications (DoT). Vodafone Idea will host a conference call with its senior management on Monday to provide updates on recent developments, the company stated.

"The equipment deals with vendors for the enhancement and rollout of 4G and 5G network infrastructure is now in the final stages of discussions and Vi will close the agreements soon," said a spokesperson of Vodafone Idea. Following the court's ruling, shares of Vi plummeted by 20% on Thursday, reaching a 52-week low of Rs 10.33. However, on Friday, the shares closed on a positive note, ending the day on the NSE at Rs 10.52, up by 1.35%.

The telco on Friday said its next step is securing debt funding, and it is in active discussions with multiple banks. "We had shared a target of raising Rs 45,000 crore via equity and debt. We have already raised Rs 18,000 crore in India's largest FPO and preferential issuance of equity shares worth Rs 2,080 crore to ABG entity (promoter group)."

Company says next step is securing debt funding
The telco on Friday said its next step is securing debt funding, and it is in active discussions with multiple banks. Vodafone Idea will host a conference call with its senior management on Monday to provide updates on recent developments, the company stated.

Didn't want to play a serial killer just for shock value: Vikrant Massey on 'Sector 36'

Vikrant Massey, along with director Aditya Nimbalkar, on why he was wary of his Sector 36 character being 'gimmicky', and the mental toll of playing a psychopath

NEW DELHI: Vikrant Massey does a 180-degree turn with Sector 36. After essaying the role of an exemplary IAS aspirant in 12th Fail, he embodies a serial killer with a penchant for kids in this cat-and-mouse thriller. The film also marks the debut of Aditya Nimbalkar, who has learnt the ropes while working with acclaimed director Vishal Bhardwaj. Vikrant calls Sector 36 a story of the "times we live in." We speak to the actor and director on whether the film was inspired by the 2006 Nithari killings, how Vikrant didn't want his portrayal of a psychopath to be "gimmicky" if the character messed with his head and more.

Excerpts from the conversation:
 Vikrant, would you say that the urge to do something different made you say yes to this role? Vikrant Massey: On a surface level, the reason would be this. I wanted to take a shot at playing a character I hadn't done before. It was surely a challenge. But, one major reason I did this film was because I felt it was one of the most important stories of our time. When I



was contemplating being part of Sector 36, a lot of my advisers were doubtful as to whether it was the right film to do at a time when I had become a "commercial actor". When I heard that label, I wanted to do it even more.

Aditya, this is your debut. Every director wants his first to be a theatrical... Aditya Nimbalkar: Honestly, I desired it too but we were getting a platform like Netflix so I was content. In today's day and age, not every film gets the big screen, I understand that.

Moreover, Sector 36 is a film made for personalised watching. I wouldn't exactly call it a commercial film. You have extensively worked with Vishal Bhardwaj as an assistant director. You were also credited as co-writer for Talvar (2015). How much of his style influenced your filmmaking? AN: Almost all of it. Showing the film to him was one of my most nervous screenings. It was only him and me in the in-house theatre at the Maddock Films office. He really liked it. Our relationship is such that he didn't shy away from giving his critique of certain portions that didn't work for him. Although it's not explicitly stated, Sector 36 seems to be inspired by the 2006 Nithari killings. AN: We actually took inspiration from multiple events and cases that have happened all over the country. This film is told through the prism of Deepak Dobriyal's cop Ram Charan Pandey and how he clashes with Vikrant's Prem Singh. VM: It is a story that is rooted in realism but there is also a lot of symbolism and metaphor.

Bengal doctors resume duties partially after 42 days impasse over Kolkata rape

Doctors in West Bengal have rejoined their duties partially at various government-run hospitals in essential and emergency services after protesting for 42 days demanding better security measures in hospitals.

NEW DELHI: Junior doctors on Saturday morning rejoined their duties partially at various government-run hospitals in West Bengal after a hiatus of 42 days. They were on 'cease work' agitation in protest against the rape and murder of an on-duty woman doctor at RG Kar Medical College and Hospital. The junior doctors rejoined their duties in essential and emergency services at all state-run hospitals but not in the outpatient department (OPD). "We have started rejoining duties today. Our colleagues have started returning to their respective departments since this morning only in essential and emergency services, but not at



the OPDs. Please do not forget that this is only a partial resumption of duties," Aniket Mahato, one of the agitating doctors, told PTI. He said his other colleagues have already left for flood-hit districts of the state where they would start 'Abhaya clinics' (medical camps), to demonstrate their commitment to public health even amid ongoing protests. The agitating doctors said that they would wait for another seven days for the administration to fulfill their demands for justice for the deceased doctor and the removal of state health secretary or else they would start another round of 'cease work'. The doctors have been protesting since August 9 when the body of a woman medic was found at RG Kar Medical College and Hospital, demanding justice for the deceased doctor as well as removing key officials from their posts alleging their involvement in the case. The CBI, which is investigating the case, has arrested several people, including former principal of the RG Kar Hospital, in connection with its investigation into the matter.

Out of 87 nominations, 66 candidates withdraw their names in DUSU polls

After the withdrawals held on Friday, eight candidates were in the list of presidential candidate, five for the post of vice-president, four for the post of secretary and four for the post of joint secretary.

NEW DELHI: Unlike last year when over 40% of DUSU poll candidates were from the Buddhist Studies Centre, this year it is a mixed batch of candidates from the Law department, different DU Colleges, south campus etc. Among the eight final candidates for the post of President, only two are from Buddhist Studies while three are from Law Centre, one from Hindu College, another one is from Zakir Hussain College and one candidate is also from Shyama Prasad Mukherjee College. Meanwhile, a day after 87 nomination papers were filed for the DUSU polls, the chief election officer on Friday published the final list of the candidates from each of students' organisations. After the withdrawals held on Friday, eight candidates were in the list of presidential candidate, five for the post of vice president, four for the post of secretary and four for the post of joint secretary. Aniket Madke, Badee U Zaman, Pinki, Rishabh Choudhary, Ronak Khatri, Savvy Gupta, Sheetal, Shivam Maurya are the names of the eight presidential candidates.

After scrutiny and withdrawal of the nomination papers, five candidates were finalised for the vice president's post. Ayush Mondal, Banshree Das, Bhanu Pratap Singh, Rovin Singh and Yash Nandal are in the final list. Adithyan MA, Mitravinda Karanwal, Namrata Jeph and Sneha Aggarwal are contesting for secretary post while Aman Kapasiya, Anamika, Anjana Sukumaran and Lokesh Choudhary are contesting for the post of joint secretary. With only five days left for the polls, the entire campus is abuzz with election fever but despite all warnings and notices, the election guidelines are going for a toss on the campus.

Another Train Accident Prevented: Fish Plates, Keys Found On Railway Tracks In Gujarat

NEW DELHI: An attempted train derailment was discovered and prevented on Saturday after unknown miscreants tampered with a railway track near Kim Railway Station in Surat, Gujarat. As per ANI reports citing Western Railway's Vadodara Division, unknown individuals removed the fishplate and some keys from the UP line track and placed them back on the same track near Kim railway station.



The foundation work for eight bullet train stations was completed in the state on September 19. Bullet train project director Pramod Sharma stated that bullet train technology has arrived in India, and they are moving forward with the 'Make in India' initiative. "The bullet train technology has come to India... we are going forward through the 'Make in India' initiative. It is our duty to tell media about what we are doing... we get positivity and support through this," said Sharma. ANI reported. Stay informed on all the latest news, real-time breaking news updates, and follow all the important headlines in India news and world News on Zee News.

'Living Symbols of Inhumanity & Brutality': Naxal Violence Victims Meet Amit Shah, Govt Pledges Action, Support

NEW DELHI: Amid ongoing anti-Naxal operations, the RSS-BJP combine has launched a new social campaign to rally support for victims of Maoist violence. A committee, Bastar Shanti Samiti, has been formed to unite and assist these victims. In a major move, Chhattisgarh's home minister Vijay Sharma led 55 victims to Delhi, where they met union home minister Amit Shah on Thursday and were scheduled to meet the President of India on Saturday before returning to Raipur. Of these 55 victims, 37 have lost their limbs or eyesight in IED blasts while the rest have lost their family members in the violence. This move seems crucial as it signals an intensified crackdown on Naxal activity and more anti-Naxal operations in the Bastar region, with Amit Shah reportedly assuring victims that the guerrillas will be flushed out by March 31, 2025. Shah also promised multiple schemes to support victims who lost limbs in IED blasts or family members in attacks, emphasising the government's commitment to both eradicating Naxalism and rehabilitating survivors.

This marks a strategic shift—combining military action with emotional outreach to strengthen their position.

Operations to intensify
 Later, on social media platform X, Shah stated, "I am deeply moved after



interacting with the brothers and sisters affected by Naxalite violence in Chhattisgarh. I assure all of you that the Modi Government is committed to eradicating Naxalism completely within two years and restoring peace in your region." Lambasting Naxalites, he added, "Naxalism follows the ideology of destruction and violence.

Hiding behind the guise of human rights to garner sympathy for themselves has been a consistent strategy of the Naxalites. The wounds of those affected by the violence in Naxal-impacted areas are living symbols of the inhumanity and brutality of Naxalism. "Over the past eight months, around 150 Naxalites, including at least 55 young women cadres, were killed during anti-Naxal operations by security forces in Bastar. Meanwhile, there have been several instances of IED blasts, attacks on the security forces and other forms of Naxal violence in the region. Sharma, in an earlier interview with News 18, said that the ongoing flush-out operations in Bastar are based on verified intelligence inputs to avoid any misunderstandings or confusion. He added that the state government is ready to initiate "unconditional" dialogue with the Naxals. He asserted that poor tribal villagers are coerced or enticed into taking up arms, resisting development, and remaining isolated from the mainstream by "urban Naxals" residing in cities like Delhi.

Defamation complaint: You cannot be touchy in politics, says Supreme Court to Minister Murugan

NEW DELHI: You cannot be "touchy" in politics, the Supreme Court observed while hearing Union Minister of State for Information and Broadcasting L Murugan's plea relating to a criminal defamation proceeding initiated against him. Murugan approached the apex court last year, challenging a September 5, 2023, Madras High Court order in which it had refused to quash the proceeding against him on a complaint filed by Chennai-based Murali Trust for his alleged defamatory statements during a December 2020 press conference. While agreeing to hear his petition on September 27 last year, the top court stayed the proceeding against Murugan that was pending in a special court in Chennai. The apex court had also sought the Trust's response on his plea challenging the high court order. When the matter came up for hearing before a bench of Justice BR Gavai and Justice KV Viswanathan on Friday, the counsel appearing for Murugan said,



"Where is the question of defamation in this case?" The lawyer appearing for the Trust sought an adjournment in the matter. "You cannot be touchy in politics," the bench observed. "Put up after four weeks at the request of the counsel for the respondent," the apex court said. Murugan had earlier approached the high court, challenging the

proceeding initiated against him. The high court had noted in its order that according to the Trust, Murugan made the statements "with an ulterior motive to degrade and tarnish the reputation of the Murali Trust in the eyes of the general public". "While dealing with the quash petition, this court cannot go into the merits of the case or the disputed questions of fact. This court has to merely go by what is alleged in the complaint and prima facie find out as to whether the offence is made out," the high court had said. "In an offence of defamation, the statements have to be tested only from the point of view of a common prudent man, who comes across the defamatory statements made," it had said. While dismissing the petition, the high court had directed the trial court to dispose of the case within three months. "It is left open to the petitioner (Murugan) to raise all the grounds before the trial court and the same will be considered on its own merits.

Crumbling Town Hall awaits restoration

The municipal corporation recently held an inspection of the premises, which has been lying vacant since 2012

NEW DELHI: Administrative apathy has been causing deterioration of the iconic Town Hall, erstwhile headquarters of the Municipal Corporation of Delhi (MCD), located in Chandni Chowk. The colonial-era building is in dire need of urgent repair as its structural integrity is being threatened by negligence and poor upkeep. Rampant water seepage has resulted in erosion of plaster; exposed steel bars at places thus weakening the

structure. The Corporation recently held an inspection of the premises, which has been lying vacant since 2012 when the municipal body shifted its head office to swanky 28-storeyed Shyama Prasad Mukherjee Civic Centre at Jawaharlal Nehru Marg opposite Ramliha Maidan. According to the officials, the inspection team comprising conservation experts from the state archeology department and Archeological Survey of India (ASI) has suggested a comprehensive conservation plan to prevent the about 160-year old Town Hall from further degeneration. However, the agency, at present, is aiming only to restore two historic meeting halls given the shortage of funds, the officials said. Earlier, several plans were made for Town Hall's restoration and to convert it into a museum and heritage hotel over the years nothing materialised. "Earlier this year, a proposal was initiated to set up a museum in one portion of Town Hall. The Aga Khan Trust for Culture (AKTC) agreed to provide technical assistance and helped in preparation of the tender document. That plan is yet to take off," said officials, privy to the matter.

No immediate response was available from the MCD as the commissioner Ashwini Kumar and Delhi Mayor Shelly Oberoi didn't respond to calls and text messages. The building, spreading over 16 acres, was constructed in the 1860s and it was then

dilapidated condition of the building, suggested that Delhi lieutenant governor (L-G) should take over the control of the building to initiate repairing and conservation of the heritage property.



known as Lawrence Institute. The municipality bought it in 1866. It became the office of the MCD as it came into being in 1958. The officials, aware of the

"Lieutenant governor should intervene like he did for redevelopment of four ASI-protected monuments including some buildings in Mehrauli Archaeological Park and Sheesh Mahal in Shalimar Bagh," said officials.

Plan to make it a museum yet to take off
 The building was constructed in the 1860s and it was then known as Lawrence Institute. The municipality bought it in 1866. It became the office of the MCD as it came into being in 1958. Earlier this year, a proposal was initiated to set up a museum in one portion of Town Hall. The Aga Khan Trust for Culture (AKTC) agreed to provide technical assistance and helped in preparation of the tender document. That plan is yet to take off.

In dire need of urgent repair
 Due to the poor upkeep of the iconic Town Hall, a colonial-era building in Chandni Chowk, severe seepage in walls has taken place at many places. This has caused erosion, resulting in exposed steel bars thus weakening the structure.

News box

US soldier who fled to North Korea sentenced, then freed on basis of time served

Washington. US Army Private Travis King, who last year ran into North Korea and was taken into custody there, was sentenced on Friday to one year of confinement then freed based on time already served, his lawyer said in a statement. He pleaded guilty to five charges, and the sentencing was held at Fort Bliss in Texas.

The US Army charged King with crimes including desertion for running into North Korea in July 2023, assault against fellow soldiers and solicitation of child pornography, Reuters reported late last year. He was charged by the Army with 14 offenses under the Uniform Code of Military Justice, after his release from North Korean custody in September 2023 following behind-the-scenes negotiations. The government moved to dismiss nine offenses after he pleaded guilty to five charges. "With time already served and credit for good behavior, Travis is now free and will return home," his lawyer said.

King joined the Army in January 2021. He was detained in South Korea over assault allegations to which he pleaded guilty.

King had already been due to face disciplinary action in the United States after his release from South Korean detention. He was on his way home last year when he slipped away from Seoul's international airport and made his way to a civilian tour of the border area between North and South Korea. Then King sprinted across the border into North Korea. He was immediately taken into North Korean custody.

Indian embassy official found dead under mysterious circumstances in US

World An Indian embassy official died under mysterious circumstances inside the embassy premises in Washington. According to a statement by the Indian embassy, the incident happened on Wednesday, September 18, and is currently under investigation by the local police and Secret Service. The probe into the embassy official's death is covering all the angles, including the possibility of suicide, the statement by the Indian embassy added. With deep regret, we wish to confirm that a member of the Embassy of India passed away in the evening of 18th September 2024. We are in touch with all relevant agencies and members of the family to ensure the swift transfer of the mortal remains to India," the Indian Embassy said in a statement on Friday. "Additional details regarding the deceased are not being released out of concern for the family's privacy. Our thoughts and prayers are with the family in this time of grief," it said, without giving any further details.

Weaponizing ordinary devices violates international law, United Nations rights chief says

UNITED NATIONS. Weaponizing ordinary communication devices represents a new development in warfare, and targeting thousands of Lebanese people using pagers, two-way radios and electronic equipment without their knowledge is a violation of international human rights law, the United Nations human rights chief said Friday.

Volker Türk told an emergency meeting of the U.N. Security Council there must be an independent and transparent investigation of the two attacks in Lebanon on Tuesday and Wednesday where these devices exploded, reportedly killing 37 people and injuring more than 3,400 others. "Those who ordered and carried out these attacks must be held to account," he said. Lebanon has blamed Israel for the attacks, which appeared to target Hezbollah militants but also saw many civilian casualties, including children. Hezbollah has fought many conflicts with Israel, including a war in 2006, and it has conducted near-daily strikes against Israel to support Hamas militants who attacked Israel on Oct. 7. Before the council meeting, Israel's U.N. Ambassador Danny Danon was asked by reporters about speculation Israel was behind the two explosions. "We are not commenting on the specific attacks you mentioned, but I can tell you that we will do everything we can to target those terrorists to minimize casualties for civilians," he replied.

Lebanon's Foreign Minister Abdallah Bouhabet accused Israel of terrorizing the entire Lebanese population on streets, in markets, shops and their homes where their communications devices exploded. He held up a photo of a mangled and bloodied hand, telling ambassadors from the 15 council nations: "Look at the ugliness of what has happened in this picture." Bouhabet insisted that Israel not only launched the attacks but told the council there were "official declarations" and a tweet by an adviser to Prime Minister Benjamin Netanyahu "that was lately deleted, emphasizing the responsibility of Israel and praising the positive results of this assault." He appeared to be referring to a deleted tweet by Netanyahu adviser Topaz Luke, who reportedly retweeted a post that included a reply indicating that Israel was behind the attacks in Lebanon and neighboring Syria.

Rare polar bears shows up outside woman's house in Iceland, cops shoot it dead

← **The bear was killed Thursday afternoon in the northwest of Iceland after police consulted the Environment Agency, which declined to have the animal relocated, police told Associated Press.**

London. A rare polar bear that was spotted outside a cottage in a remote village in Iceland was shot by police after being considered a threat, authorities said Friday. The bear was killed Thursday afternoon in the northwest of Iceland after police consulted the Environment Agency, which declined to have the animal relocated, Westfjords Police Chief Helgi Jensson told The Associated Press. "It's not something

we like to do," Jensson said. "In this case, as you can see in the picture, the bear was very close to a summer house. There was an old woman in there." The owner, who was alone, was frightened and locked herself upstairs as the bear rummaged through her garbage, Jensson said. She contacted her daughter in Reykjavik, the nation's capital, by satellite link, and called for help. "She stayed there," Jensson said, adding that other summer residents in the area had gone home. "She knew the danger." Polar bears are not native to Iceland but occasionally come ashore after traveling on ice floes from Greenland, according to Anna Sveinsdóttir, director of scientific collections at the Icelandic Institute of Natural History. Many icebergs have been spotted off the north coast in the last few weeks. Although attacks by polar bears on humans are extremely rare, a study in Wildlife Society Bulletin in 2017 said that the loss of sea ice from global warming has led more hungry bears to land, putting them in greater chance of conflicts with humans and leading to a greater risk to both. Of 73 documented attacks by polar



bears from 1870 to 2014 in Canada, Greenland, Norway, Russia, and United States — which killed 20 people and injured 63 — 15 occurred in the final five years of that period. The bear shot on Thursday was the first one seen in the country since 2016. Sightings are relatively rare with only 600 recorded in Iceland since the ninth century. While the bears are a protected species in Iceland and it's forbidden to kill one at sea, they can be killed if they pose a threat to humans or livestock. After two bears arrived in 2008, a debate over killing the threatened species led the environment

minister to appoint a task force to study the issue, the institute said. The task force concluded that killing vagrant bears was the most appropriate response.

The group said the nonnative species posed a threat to people and animals, and the cost of returning them to Greenland, about 300 kilometers (180 miles) away, was exorbitant. It also found there was a healthy bear population in east Greenland where any bear was likely to have come from. The young bear, which weighed between 150 and 200 kilograms (300 to 400 pounds), will be taken to the institute to study. Scientists took samples from the bear Friday. They will be checking for parasites and infections and evaluating its physical condition, such as the health of its organs and percentage of body fat, Sveinsdóttir said. The pelt and skull may be preserved for the institute's collection. A Coast Guard helicopter surveyed the area where the bear was found to look for others but didn't find any, police said. After the shot bear was taken away, the woman who reported it decided to stay longer in the village, Jensson said.

Volodymyr Zelenskyy to visit US next week, hold talks with Biden, Kamala Harris

← **US officials said they have asked Ukraine to spell out more clearly its combat objectives should the administration green light loosening restrictions on long-range weaponry.**

Washington. Ukrainian President Volodymyr Zelenskyy will travel to Washington next Thursday for talks with President Joe Biden and Vice President Kamala Harris as he presses for the US to allow Ukraine to use Western-provided weapons to strike deeper into Russia. "I'm looking forward to hosting my friend President Zelenskyy of Ukraine next week at the White House," Biden said in a message posted on X. "During his visit, I'll reaffirm America's commitment to supporting Ukraine as it defends its freedom and independence." The Biden administration still is not convinced that it should give Ukraine the authority to launch long-range missiles deeper into Russia, and US officials say they are seeking more detailed information about how Kyiv would use the weapons and how



they fit into the broader strategy for the war. US officials said they have asked Ukraine to spell out more clearly its combat objectives should the administration green light loosening restrictions on long-range weaponry. Administration officials are concerned that loosening restrictions would have limited impact and come with great risk. Russian President Vladimir Putin last week warned that Russia would be "at war" with the United States and its NATO allies if they allow Ukraine to use the long-range weapons.

US defense officials have repeatedly argued that the long-range missiles are limited in number and that Ukraine already is using its own long-range drones to hit targets

farther into Russia. Zelenskyy is notably meeting separately with Harris, who is looking to succeed Biden. She last met with the Ukrainian president in July at an international gathering in Switzerland to discuss the war, shortly before Biden announced he was abandoning his bid for reelection and endorsed Harris. Former President Donald Trump has repeatedly said that he would move to quickly end the war should he win the November election. His running mate, Senator JD Vance, said in a recent interview with the "Shawn Ryan Show" that Trump's plan would include establishing a "demilitarized zone," and Ukraine would not reclaim territory that Russia occupies and would agree not to join NATO.

Biden says 'working' to get people back to homes on Israel-Lebanon border

Washington. US President Joe Biden said Friday he was working to allow people to return to their homes on the Israeli-Lebanon border, in his first comments since a wave of explosions targeting the Hezbollah militia sent tensions soaring.

Biden added that it was crucial to keep pushing for a Gaza ceasefire to underpin regional peace, despite a media report that his administration had given up hope of securing a truce before he leaves office in January. Speaking at the start of a cabinet meeting in the White House, Biden told reporters he wanted to "make sure that the people in northern Israel as well as southern Lebanon are able to go back to their homes, to go back safely." And the Secretary of State, the secretary of defence, our whole team are working with the intelligence community to try to get that done. We're going to keep at it until we get it done, but we've got a way to go," Biden said. It was Biden's first reaction since the violence shifted dramatically from Gaza to Lebanon, with thousands of Hezbollah operatives' pagers and walkie-talkies exploding earlier this week. The blasts — which Hezbollah blamed on Israel — killed 37 people including children and wounded thousands more. Israel has not commented on the explosions. Months of near-daily border clashes have killed hundreds in Lebanon, most of them fighters, and dozens in Israel, forcing thousands on both sides to flee their homes. Biden also denied that a ceasefire to end Israel's war in Gaza following the Hamas October 7 attacks was unrealistic, following a Wall Street Journal report that officials believe is now unlikely.

"If I ever said it's not realistic, we might as well leave. A lot of things don't look realistic until we get them done. We have to keep at it," Biden said.

Trump assassination bid: Secret Service says complacency led to security breach

← **US Secret Service Acting Director Ronald Rowe Jr. said that while some members of the advance team were very diligent, there was complacency on the part of others that led to a breach of security protocols.**

Washington. The US Secret Service on Friday detailed a litany of failures uncovered by its review of the attempted assassination of former president Donald Trump at a rally in July.

Shooter Thomas Matthew Crooks was able to open fire from a nearby rooftop at the outdoor event held by Republican election candidate Trump, who narrowly escaped

death and suffered a wound to his right ear. "While some members of the advance team were very diligent, there was complacency on the part of others that led to a breach of security protocols." Among the failures identified by Rowe were poor communication with local law enforcement, an "over-reliance" on mobile devices "resulting in information being siloed" and line of sight issues, which "were acknowledged but not properly mitigated."

"At approximately 18:10 local time, by a phone call, the Secret Service security room calls the counter-sniper response agent reporting an individual on the roof of the AGR building," Rowe recounted.

"That vital piece of information was not relayed over the Secret Service radio network." Two attendees of the rally in Butler, Pennsylvania were injured by gunfire and a third, 50-year-old firefighter Corey Comperatore, died as a result.

Crooks was shot dead on the roof by Secret



Service personnel. Secret Service director Kimberly Cheatle resigned in the aftermath of the dramatic incident, and several Secret Service agents have been put on leave. Rowe said the Secret Service needed additional funding, personnel and equipment to complete a "paradigm shift... from a state of reaction to a state of readiness." The US House of Representatives unanimously passed a bill on Friday to boost Secret Service protection for presidential candidates to the same level as sitting

presidents and vice presidents.

The bill now awaits a vote in the Senate and a signature by President Joe Biden before it becomes law. Rowe said that Trump is now being given the same levels of protection as the president. The increased demand for security came into sharp focus again after a second apparent assassination attempt on Trump's life at his golf course in West Palm Beach, Florida last weekend. "What occurred on Sunday demonstrates that the threat environment in which the Secret Service operates is tremendous," Rowe said. The gunman in Florida did not have a line of sight on the former president and failed to fire a shot before he was discovered and arrested, officials say. Trump has sought political advantage by blaming — without evidence — Biden and Democratic election rival Kamala Harris for fuelling motivation behind the plots, citing their "rhetoric" about him endangering democracy.

Cash-strapped Sri Lanka votes to elect new President

World Millions of Sri Lankans were casting their votes on Saturday to select a president who will face the task of bolstering the South Asian country's fragile economic recovery following its worst financial crisis in decades.

More than 17 million of Sri Lanka's 22 million people are eligible to vote in an election that has shaped up to be a close contest between President Ranil Wickremesinghe, main opposition leader Sajith Premadasa and Marxist-leaning challenger Anura Kumara Dissanayake, who led in one recent opinion poll. Citizens in the capital Colombo lined up early at polling booths, which were guarded by security personnel, as voting began at 7 a.m. (0130 GMT). It was proceeding peacefully across the island nation, according to local media. Polls closed at 4 p.m. (1030 GMT), with counting scheduled to start shortly afterward. The



Election Commission is expected to announce the winner on Sunday. Over 13,000 polling stations were set up across the country and 250,000 public officials deployed to manage the election, R.M.L. Rathnayake, the head of Sri Lanka's election commission, told Reuters. This is the first election since Sri Lanka's economy buckled

in 2022 under a severe foreign exchange shortage, leaving the Indian Ocean island nation unable to pay for imports of essentials including fuel, medicine and cooking gas. Thousands of protesters marched in Colombo in 2022 and occupied the president's office and residence, forcing then-President Gotabaya Rajapaksa to flee and later resign. Buttressed by a \$2.9 billion bailout programme from the International Monetary Fund, Sri Lanka's economy has posted a tentative recovery, but the high cost of living remains a core issue for many voters. Although inflation cooled to 0.5% last month from a crisis high of 70%, and the economy is forecast to grow in 2024 for the first time in three years, millions remain mired in poverty and debt, with many pinning hopes of a better future on their next

leader. Whoever wins the election will have to ensure Sri Lanka sticks with the IMF programme until 2027 to get its economy on a stable growth path, reassure markets, attract investors and help a quarter of its people climb out of crisis-caused poverty.

"Your decision at the polls today will shape the future of our nation, not just for the next five years, but for generations to come," Foreign Minister Ali Sabry posted on X in support of Wickremesinghe. "Use your vote wisely so Sri Lanka can continue its recovery and move forward towards a sustainable and prosperous future. Sri Lanka's ranked voting system allows voters to cast three preferential votes for their chosen candidates. If no candidate wins 50% in the first count, there is a second round between the two frontrunners, with the preferential votes of other candidates redistributed, an outcome analysts say is likely given the close nature of the election.

NEWS BOX

Shakib Al Hasan becomes oldest Bangladesh player to play Test cricket

Chennai. Veteran all-rounder Shakib Al Hasan scripted history on Saturday by becoming the oldest Bangladesh cricketer from his nation to feature in a Test match. At 37 years and 181 days, Shakib took the field on Day 3 of Bangladesh's first Test against India at Chennai, surpassing former left-arm spinner Mohammad Rafique, who was 37 years and 180 days when he last played a Test against South Africa in Chattogram back in 2008. Shakib, a linchpin in Bangladesh cricket for over a decade, added another accolade to his illustrious career with this achievement. Widely regarded as one of the best all-rounders in the game, Shakib's longevity and contribution to Bangladesh cricket have been remarkable. His experience continues to be a crucial asset for the team, especially in challenging contests like the ongoing Test against India.

While Shakib's feat is a significant achievement for Bangladesh, the world



record for the oldest Test player still belongs to England's Wilfred Rhodes. Rhodes played his final Test at the age of 52 years and 165 days in 1930 against the West Indies, a record that has stood the test of time. Notably, Rhodes also holds the record for the longest Test career, spanning an incredible 30 years and 315 days. As Shakib took to the field, Bangladesh found themselves up against a formidable Indian side. Shubman Gill hit his seventh Test fifty while Rishabh Pant was nearing his 12th Test fifty after resuming their innings with authority, propelling India to 141 for 3 after 40 overs, extending their lead past the 350-run mark. Earlier on Day 2, Jasprit Bumrah delivered a stellar bowling performance, claiming 4 for 50 to help India dismiss Bangladesh for a mere 149 runs in the first Test. Bangladesh, who began their innings facing the daunting task of responding to India's solid total, struggled to gain momentum. Despite brief resistance from experienced all-rounder Shakib Al Hasan (32) and wicketkeeper-batter Litton Das (22), the visitors were unable to stave off India's relentless bowling attack.

IND vs BAN: Rishabh Pant celebrates his Test comeback with superb 2nd-innings fifty

New Delhi Indian wicketkeeper Rishabh Pant put the disappointment of his first-innings failure behind him to celebrate his Test comeback with a superb second-innings half-century against Bangladesh in the first Test in Chennai on Saturday. Pant's 12th fifty in Test cricket, came after a long gap of 639 days, following his recovery from a near-fatal accident. He reached the 50-run mark in 88 balls, showcasing his trademark aggressive stroke play. Pant's previous Test fifty was scored on December 23, 2022, against Bangladesh at Shere-e-Bangla Stadium in Mirpur. His remarkable comeback journey began with an impressive run in IPL 2024, where he was the top scorer for Delhi Capitals. His strong IPL performance earned him a spot in India's T20 World Cup squad, where he stood out with 171 runs in nine matches during the marquee event in the USA and the West Indies. In this



Test match, Pant fell short of a fifty in the first innings but played a crucial role with a knock of 39 (52) alongside opener Yashasvi Jaiswal. However, his second-innings fifty underlined his ability to play under pressure. His innings included a signature one-handed six and a precise paddle sweep, displaying the audacity and flair he's known for.

Pant reached his milestone on the third day of the Test, displaying his aggressive stroke play. In the 40th over of India's second innings, facing Mehidy Hasan Miraz, he charged down the pitch and lofted the ball over long-off for six, despite losing the grip of his bottom hand. In the following over, he executed a well-timed paddle sweep, adding two more runs to move closer to his fifty. Finally, in the 44th over, a single off Miraz brought up his 12th Test half-century, marking a significant moment in his comeback. Pant's return to form in red-ball cricket is a welcome boost for the Indian team as they continue their two-match Test series against Bangladesh.

Sri Lanka vs New Zealand: Why does Galle Test have a rest day on Saturday

← **Former India cricketer**
Dinesh Karthik opined that India all-rounders Ravichandran Ashwin and Ravindra Jadeja will be valued a lot after their retirement.

New Delhi Fans who had tuned in to see Sri Lanka and New Zealand first Test in Galle may have been left a little disappointed on Saturday, September 21. There is no action on the supposed 'Day 4' of the Test and due to a valid reason. Saturday is considered to be a 'rest day' in the Test match.

The reason for both teams to call a truce on Saturday is due to the Presidential elections in Sri Lanka on September 21. The players from the host team will cast their votes in



their respective constituencies, exercising their right to participate in the election process. This is the first time since 2008 that such an incident has happened in Test cricket. The last time this happened was when Sri Lanka was facing Bangladesh in 2008. Bangladesh's parliamentary elections were set for December 29, coinciding with the first Test match

between Bangladesh and Sri Lanka, held in Mirpur, Dhaka, from December 26 to 31. Due to the election, the match was paused after the third day with the score at 291 for four at stumps. Play resumed on December 30, considered the fourth day, following a rest day on December 29 for the election. This was also the first time since 2001 that a Test match in Sri Lanka has had a rest day

when Zimbabwe had come to tour the Island nation. The first Test in Colombo, held from December 27 to January 1, 2002, featured a rest day on December 30 in observance of Poya Day, a significant Buddhist holiday. Despite the scheduled six days, the match concluded within four playing days, making the sixth day unnecessary.

What happened on Day 3 of Galle Test?

Sri Lanka appear to have the upper hand in the opening Test against New Zealand in Galle, holding a 202-run lead in their second innings with six wickets remaining. New Zealand will be relying on pacer William O'Rourke, who has already claimed three wickets in this innings, following his five-wicket haul in the first.

O'Rourke dismissed Pathum Nissanka before quickly removing Dinesh Chandimal and Kamindu Mendis, leaving Sri Lanka at 178 for four. However, Angelo Mathews and Dhananjaya de Silva resisted the pressure, putting together a valuable 59-run partnership for the fifth wicket, holding off O'Rourke and the other Black Caps' bowlers.

Rishabh Pant hilariously helps Bangladesh to set field on Day 3 of 1st Test

New Delhi Star India wicketkeeper batter Rishabh Pant was hilariously seen helping Bangladesh set the field during his batting on Day 3 of the first Test at MA Chidambaram Stadium in Chennai. Pant and Gill resumed India's innings on the overnight score of 81/3 and took the team's past 400.

During their partnership, a hilarious moment was also witnessed as Pant helped Bangladesh set up fielding for his own batting. Between overs, Pant was heard on the stump mic saying "one fielder here" pointing in the direction of mid-wicket. Bangladesh captain Najmul Hossain Shanto even listened to Pant's advice and moved the fielder in the same position. Pant resumed his innings on the overnight score of 12* (13) and started the day cautiously. However, at the other end, Gill put his wide array of strokes on display as he smacked back to back sixes against Mehidy Hasan Miraz and brought up his half century. Pant also found occasional boundaries and moved to 36 by the drinks break.



Gill and Pant put up 100-run stand

He also brought up his half century on his Test return after over 20 months and registered his second consecutive fifty against Bangladesh in as many matches. After completing their respective half centuries, Pant and Gill launched an all out attack against Bangladesh bowlers and completed their 100-run partnership.

The southpaw even got a life on 71 as he was dropped by Bangladesh captain Najmul Hossain Shanto on the bowling of Shakib Al Hasan. Pant (86*) and Gill (82*) took India to lunch unscathed as they were 205/3 leading by 432 runs. The duo extended their partnership to 138 leaving Bangladesh in all sorts of trouble.

Ravi Shastri's advice to struggling Virat Kohli: 'You've got to move with time'

← **Former India cricketer and head coach**
Ravi Shastri has advised Virat Kohli to change his game plan while facing spinners after his dismissal in the second innings of the first Test against Bangladesh.

New Delhi. Former India cricketer and head coach Ravi Shastri has come up with an advice for star India batter Virat Kohli who's been struggling against spin in recent times in Test cricket. Kohli got dismissed for 18th time against spin since 2021 on Day 2 of the ongoing first Test against Bangladesh.

The right-handed batter missed a straight delivery while trying to work the ball towards the on side and was adjudged lbw. However, replays showed that Kohli had edged the ball onto his pads but didn't opt for DRS. Reflecting on his dismissal, Shastri mentioned Kohli's weakness against spin



and advised him to use his feet to unsettle the spinners. "He has [gotten out to spinners] especially in the last 2-3 years. But he has scored a lot of runs too. What you want to see him do more is use his feet. Get to the pitch of the ball, probably employ the sweep. You've got to move with the times, don't be afraid to go over the top when the field is up. You could try and do things to unsettle the spinners rather than allowing him to keep bowling at you. It's what he did a lot when he scored a lot of runs," said Shastri on commentary. Further speaking ahead, Shastri mentioned how the tracks prepared for India's home Tests in recent times

haven't been easy to bat on. "Also some of the tracks that India have played on. It's not been easy. Plus I know a few dismissals where like Shubman Gill in the first innings, he's gotten caught down leg wide. Funny dismissals. He'll be aware of it. That's for sure. There is no batter who doesn't remember. Obviously you find a method of finding a solution. Find out what works for you and stick with that," he added.

Kohli's dismal run in Tests since 2021 In Asia, Kohli has played 14 Test matches since 2021 and scored just 654 runs from 23 innings at an average of 29.72 with one hundred and two half centuries to his name. His numbers have dipped significantly in Test cricket since 2021 as the India star has accumulated just 1669 runs from 51 innings at an average of 32.72 and registered eight half centuries and two hundreds. Kohli will be eager to improve his numbers as India have important series coming up against New Zealand and Australia where his experience will be desperately needed by the team.

Sarandeep Singh appointed Delhi's Ranji coach, Gursharan Singh new chief selector

← **Former India off-spinner**
Sarandeep Singh has been appointed the head coach of Delhi's senior cricket team for the upcoming domestic season.

New Delhi Former India off-spinner and national selector Sarandeep Singh will be the new head coach of Delhi's senior team for the upcoming domestic season. He was appointed by the three-member Cricket Advisory Committee (CAC) of the state unit. Sarandeep will be assisted by bowling coach V Aravind and batting coach Bantu Singh, both of them continuing from last year. In a new position created by the Delhi & District Cricket Association (DDCA), the senior men's team will have two mentors -- Atul Wassan for the white ball and Robin Singh Junior for the red ball. Reema



Malhotra will be the mentor of the women's team. Last year's coach Devang Gandhi, who made quite an impression on both the seniors and juniors in the team will not be available this season for personal reasons and didn't apply for the coach's post. It is understood that the CAC comprising former India players Surinder Khanna, Nikhil Chopra and Anjali Malhotra had two choices for the top job --- Sarandeep and former Delhi coach KP Bhaskar. "The apex council has approved Sarandeep's name for the head coach's post. His name was also there last

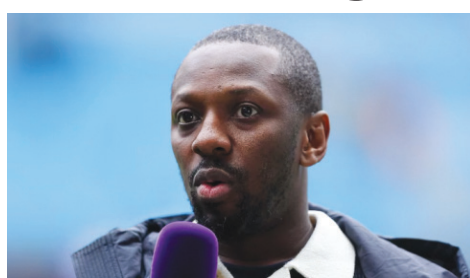
year when Devang became coach. Bhaskar was the other candidate but he will be fitted in as one of three selectors," a senior DDCA official told PTI on conditions of anonymity. The 44-year-old Sarandeep, who played three Tests and 5 ODIs for India between 2000 and 2003, was a national selector from North Zone under MSK Prasad. While his credentials as a senior-level coach are unknown, it is understood that he has managed institutional teams in the past.

Meanwhile, former India batter and Punjab's only Ranji Trophy-winning captain Gursharan Singh has been recommended for the chairman of selection committee's post. While in the BCCI the cut-off age for national selectors is kept at 60, there is no such rule in state cricket, and the 61-year-old Gursharan has always been a part of the DDCA system, from junior coach to senior selector and at times also a member of CAC. It is understood that Bhaskar and former Delhi keeper-batter Rajiv Vinayak will be the other two selectors if the CAC's recommendation is adhered to.

'They will break down': Wright-Phillips sides with players on scheduling conflict

New Delhi Former Manchester City winger Shaun Wright-Phillips believes that players voicing their concerns about the over-packed football schedule are entirely justified. In a recent interaction with *India Today*, the former England international discussed how the new format of the UEFA Champions League, along with other European competitions, has significantly increased the number of games for top clubs. Wright-Phillips explained that this gruelling schedule is bound to take a tremendous toll on the players, leading to exhaustion and a higher risk of injuries. Several prominent players, including Dani Carvajal of Real Madrid, Rodri and Kevin De Bruyne of Manchester City, and Jules Kounde of FC Barcelona, have expressed their frustrations with the packed football calendar. "Well, I think, first of all, players like that play pretty much 100% of the games, if they're not injured. I think you have to take notice. I

think if you want longevity in a game, and you want big players like that to be in a game for say, many ways, as long as Ronaldo and Messi, they weren't playing with the schedule this demanding in many ways. It's hard, especially within the Premier League. I think people forget when you come out the back of COVID. I don't think the players have actually had a full summer where they've actually shut their bodies down to rest with the international tournaments and other tournaments going on," Wright-Phillips said. Many of these big names like Kounde and Carvajal have even discussed the possibility of players going on strike in protest. These players argue that the current schedule does not consider the physical and mental strain they endure, which increases the likelihood of suffering serious injuries. Wright-Phillips, who once donned the jersey of Manchester City, referenced the era of Lionel Messi and Cristiano Ronaldo's



dominance in European football. He emphasised that players are only able to perform at their best when given sufficient rest. Without proper recovery, even the most talented footballers cannot maintain their peak form throughout an extended season. "So in many ways, I agree with them. I think now, if say City or Liverpool or maybe Real Madrid, I'm not sure about their schedule, get to the final of everything. That's only 75 games a season. For me, I think it's too much,

not just physically but mentally. People will eventually break down. I think when you put a Club World Cup in a rest period where, normally, if there are no internationals playing, that is your brain, that's now gone. Where are these players resting and recovering? So then more and more people start to break down. But I hope it really doesn't happen, but you can see every possibility," Wright-Phillips added.

As Wright-Phillips pointed out, elite teams like Manchester City or Real Madrid could end up playing around 80 matches in a single season. In addition to expanded club competitions like the UEFA Champions League, players are also expected to participate in the UEFA Nations League, FIFA Club World Cup, international friendlies, and FIFA World Cup qualifiers. The relentless schedule is a heavy burden for athletes who are already playing at the highest level.



Sharvari Waggh

Reveals Whether Rani Mukerji Was Intimidating On Bunty Aur Babli 2 Set: 'As A Fan Girl..'

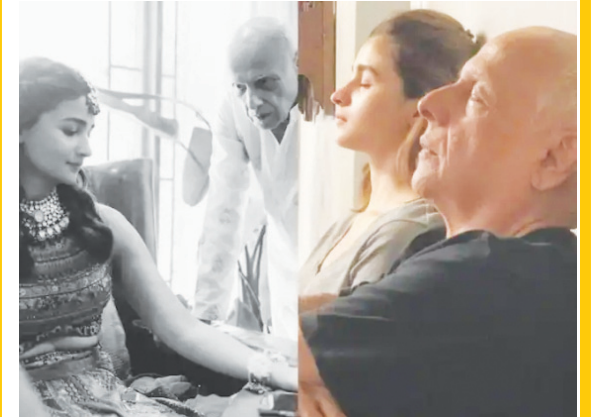
Sharvari, one of Bollywood's rising stars, has been winning hearts with her performances in recent releases such as Munjya, Maharaj, and Vedaa. After making her debut in Bunty Aur Babli 2 alongside Rani Mukerji, Sharvari recently opened up in an exclusive interview with News18 Showsha about her experience working with the veteran actress. Reflecting on her first encounter with Rani Mukerji, Sharvari admitted, "I was very nervous actually because Rani ma'am is someone I've always looked up to. As a child, I used to watch her films in theatres, come back home, and reenact her scenes and songs. She's been a huge inspiration behind my desire to become an actor. So, meeting her for the first time was a really big moment for me. But she's an incredible person, and within moments, she made me feel comfortable, and all my nerves disappeared."

Sharvari recalled how her initial apprehensions soon faded after spending more time with Rani during rehearsals. "Me and Siddhant [Chaturvedi] thought the first meeting was fun and casual. And then, after a couple of readings and prep sessions, we got to know her better. She became more friendly, and it was exactly what we hoped for," she shared. When asked if Rani Mukerji ever seemed intimidating, Sharvari reassured, "Not at all. She's just a lovely human being. Even though she's a superstar, she never gave off an intimidating vibe. As someone who grew up watching her, I was a total fan girl, but meeting her was an absolute joy."

Sharvari also reflected on her journey in Bollywood, saying, "My journey keeps me grounded and reminds me of the tough days I've had, which is why I remain humble. I've always looked forward to moments like these when my work gets appreciated. The audience's response has been a huge validation for me as an actor, and it reassures me that I'm on the right path." On the professional front, Sharvari is gearing up for her role in Alpha, a highly anticipated project from Yash Raj Films' spy universe. Directed by Shiv Rawail, the film will feature Sharvari and Alia Bhatt as super-agents, alongside Bobby Deol and Anil Kapoor. Alpha is set to make history as the first action film in YRF's spy universe to be led by two female protagonists. With a substantial budget and immense buzz surrounding the project, this marks Sharvari's most expensive film to date, as well as her first collaboration with Alia Bhatt.



Alia Bhatt Pens Adorable Birthday Wish For Raha's G-Pa Mahesh Bhatt, Shares Throwback Photos



Alia Bhatt is currently on vacation with Raha, Ranbir Kapoor, and Neetu Kapoor. Amid this also, she took to her social handle and dropped an adorable birthday wish for her father Mahesh Bhatt. Alia also shared throwback photos on her Instagram handle and mentioned that there is no one like her father. Alia took to her photo-sharing platform Instagram and posted two pictures simultaneously and wrote a caption while pouring immense love for her father. The caption read, "Sometimes all you gotta do in life is show up .. you always did and always do (with sunflower emoji). Happy birthday pops/g-pa (with a balloon emoji) there's no one like you". The first picture shared is from her wedding day in which the actress was seen getting ready while Mahesh was seen standing as a protective father to accompany her adorable daughter for her grand day. The second picture showed Alia and Mahesh having a nap while leaning their heads towards the wall.

Soon after Alia's post surfaced online, fans took her comments sections and shared blessings for Mahesh Bhatt. A user wrote, "Happy Birthday to Raha's Nana!" (with two heart emojis). Another user wrote, "Happy birthday our Queen's daddy" (with a heart emoji). On the work front, Alia Bhatt is all geared up for her upcoming release 'Jigra' helmed by director Vasana Bala. The teaser of the film has completely shaken the internet with its power-packed setup as Alia steps into the action arena to save her brother.

The upcoming action thriller film will be theatrically released on October 11, 2024, in a clash with Rajkumar Rao-Triptii Dimri starrer- 'Vicky Vidya Ka Woh Wala Video'. 'Jigra' also features Vedang Raina, Manoj Pahwa, Rahul Ravindran and Rahul Nanda in crucial roles. The film is presented by Viacom18 Studios, Dharma Productions, and Eternal Sunshine Productions, and produced by Karan Johar, Apoorva Mehta, Alia Bhatt, Shaheen Bhatt, and Somen Mishra.

Not SJ Suryah, But This South Actor Was Approached First For The DCP Role In Maanaadu



Maanaadu, directed by Venkat Prabhu and starring Silambarasan, hit the theatres in 2021. The film opened to rave reviews from the audience. The film also starred SJ Suryah, Kalyani Priyadarshan, Premji, Bharathiraja, and many others. It was a huge hit among the audience and the plot centred around time travel. The sci-fi political thriller was produced by Suresh Kamatchi. But did you know SJ Suryah's role was offered to a different actor? Maanaadu marked a grand comeback film for Silambarasan, aka, Simbu. He had been away from the spotlight after delivering a string of failures. The film left Simbu fans ecstatic. There were reports that one of the key reasons, why the film worked was the combination of SJ Suryah and Simbu. As per the latest buzz, Venkat Prabhu had initially approached Arvind Swamy to play SJ Suryah's DCP Dhanushkodi's role in Maanaadu.

In an interview, Arvind Swamy revealed that he was supposed to play the role of SJ Suryah in Maanaadu. However, "due to scheduling conflicts", he asked for a month-long extension to join the shoot. But the production team could not wait for that long and he respected their decision. The actor further shared, "I haven't watched Maanaadu yet because when I heard the story, I completely immersed myself in that character, and it's difficult for me to see someone else in that role. But I will watch Maanaadu one day," he said.

Maanaadu hit the theatres on November 25, 2021, and received widespread acclaim from audiences and critics alike. The film incorporated not just the sci-fi time loop, but other commercial elements to be able to strike a chord with the audience and keep them entertained. Many publications even called the film to be one of the best Tamil films of all time and one of the best Indian films of 2021.

Kriti Sanon

Makes Stylish Entry At Mumbai Airport, Poses An Interesting Question To Paps

Kriti Sanon is back in town after attending the London Fashion Week, which took place between September 13 and 17. The Bollywood actress graced the Summer 2025 Burberry runway show, dressed in a monochromatic chic outfit from the same brand. On Friday, Kriti was spotted exiting the Mumbai airport. Several paparazzi pages shared videos of the actress' stylish appearance at the airport. The actress can be seen wearing a white T-shirt paired with greyish cargo pants and sneakers. Kriti accentuated her look by adding an uber-cool sunglasses and carrying a Burberry tote bag. In a video shared by a paparazzo account, as the actress was walking out of the airport, she noticed that one of the photographers left his slipper mid-way and gestured to him to wear it. Kriti then asked, "Aap log joota kyu nahi pehente ho (why don't you guys wear shoes)?" To which one of the paps replied, "Baarish chalu hai ma'am (rain is still pouring)."



A day ago, Harper's Bazaar India interviewed the Bollywood actress while she was getting ready for the Burberry show at London Fashion Week. During the conversation, she said, "I love spending summers in London. I love the vibe of the city, the food, the parks, the beautiful weather (sometimes), sitting in cafes and soaking in the sun. I'm like a kid

when I go to Hyde Park." For the event, Kriti opted for a classic trench coat in a grey-taupe colour adorned with feather detailing. She paired it with black boots, gold jewellery, brown smokey eyes, and a soft updo for the hair.

In other news, Kriti has been appointed the Global Brand Ambassador for Pepe Jeans, making her the first Indian celebrity to achieve this. The brand shared the announcement on its social media channels. They revealed, "A first look of @kritisanon as our Global Brand Ambassador in our #VeryPepe campaign."

